



CSIR CRRI

सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान

समाचार पत्रिका

इस अंक में

इतिहास के पन्नों से - भाग 12

- पृष्ठ 1

प्रमुख परियोजनाओं की जानकारी

- पृष्ठ 2

आयोजित किए गए बैठक/वेबिनार/सम्मेलन

- पृष्ठ 14

आमंत्रित वार्ता/दिए गए व्याख्यान (सीआरआरआई के बाहर)

- पृष्ठ 19

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

- पृष्ठ 22

राजभाषा गतिविधियां

-पृष्ठ 27

महत्वपूर्ण दिवस समारोह

- पृष्ठ 35

प्राप्त सम्मान और पुरस्कार

- पृष्ठ 37

सूचना का अधिकार

(आरटीआई)

-पृष्ठ 39

समझौता ज्ञापन/करार/बौद्धिक संपदा

-पृष्ठ 40

संस्थान में आगंतुक

- पृष्ठ 41

शोध प्रबंध/शोध निबंध

पर्यवेक्षण

- पृष्ठ 45

स्टाफ समाचार

- पृष्ठ 54

समाचारों में सीएसआईआर-सीआरआरआई

- पृष्ठ 58



अंक संख्या : 65

वेबसाइट : <http://www.crridom.gov.in>

अप्रैल 2022-सितंबर 2022



इतिहास के पन्नों से - भाग 12

सीएसआईआर-सीआरआरआई ने 31 मार्च-5 अप्रैल, 2001 के दौरान शिलांग में मेघालय पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों के लाभ के लिए "सुनम्य कुट्टिमों के लिए सामग्री, डिजाइन, निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण" पर एक अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

किया। कार्यक्रम को मेघालय पीडब्ल्यूडी के इंजीनीयर्स की सड़क संबंधी अजीबोगरीब समस्याओं को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन मेघालय लोक निर्माण विभाग, शिलांग के सचिव श्री आर. सरमा ने किया



और इसमें श्री एस.एन. चक्रवर्ती, मुख्य अभियंता और श्री के.टी. रिन्जा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, मेघालय लोक निर्माण विभाग ने भाग लिया। श्री एस.एन. चक्रवर्ती, मुख्य अभियंता, मेघालय पीडब्ल्यूडी, उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए। डायस पर (बाएं से दाएं) श्री के.टी. रिन्जा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, मेघालय पीडब्ल्यूडी; श्री आर. सरमा, सचिव, मेघालय लोक निर्माण विभाग; श्री आर.एस. भारद्वाज, प्रमुख, आईएलटी, सीएसआईआर-सीआरआरआई, श्री आर.के. स्वामी और श्री जय भगवान, वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीआरआरआई बैठे हैं।

प्रो. मनोरंजन परिडा
निदेशक



प्रमुख परियोजनाओं की जानकारी

न्यू ट्रांसपोर्ट नगर, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के लिए सुनम्य कुट्टिम का डिज़ाइन

उत्तर प्रदेश राज्य अपनी विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से कई बुनियादी ढांचागत विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है, जिनमें अलीगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) ; उत्तर प्रदेश उन संगठनों में से एक है जो शहर के लिए बुनियादी ढाँचा प्रदान करने के लिए सुनियोजित और संगठित विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित करता है। परिणामस्वरूप, एडीए ने न्यू ट्रांसपोर्ट नगर के लिए एक सुनम्य कुट्टिम डिजाइन परियोजना शुरू की, जिसे उचित समय में बनाया जाना है। अनुमानित क्षेत्र एसएच-22ए के निकट स्थित है जो खैर-अलीगढ़ मार्ग से जुड़ता है। वर्तमान में ट्रांसपोर्ट नगर विकासशील चरण में है और इसे भूमि के प्रभावी उपयोग के लिए सड़क नेटवर्क लिंक की श्रृंखला की आवश्यकता है जो उद्योगों और निवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करेगी। एडीए ने भविष्य के यातायात भार को पूरा करने के लिए न्यू ट्रांसपोर्ट नगर, अलीगढ़ के नियोजित लेआउट के भीतर विभिन्न चौड़ाई के सुनम्य कुट्टिम के डिजाइन के लिए एक विस्तृत इंजीनियरिंग अध्ययन करने का अनुरोध किया था। परियोजना के परिणामस्वरूप, आईआरसी 37-2018 दिशानिर्देशों के अनुसार 45 मीटर, 24 मीटर, 18 मीटर और 12 मीटर आर-ओ-डब्ल्यू सड़कों के लिए सुनम्य कुट्टिम के डिजाइन प्रस्तावित किए गए थे।



चित्र 1. परियोजना कार्यस्थल



चित्र 2. अधः स्तर मृदा के लिए परीक्षण गर्त

रखरखाव और पुनर्वास उपायों के लिए डीएनडी फ्लाईवे और मयूर विहार लिंक रोड का कार्यात्मक और संरचनात्मक मूल्यांकन

नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड, नोएडा ने रखरखाव और पुनर्वास उपायों के लिए डीएनडी फ्लाईवे और मयूर विहार लिंक रोड के लिए उपयुक्त उपरिशाथी (ओवरले) डिजाइन का सुझाव देने के लिए एक विस्तृत इंजीनियरिंग अध्ययन करने का अनुरोध किया था। इस कार्य का मुख्य उद्देश्य है (i) विभिन्न परियोजना सड़कों का कार्यात्मक (बम्प इन्टीग्रेटर का उपयोग करके) और संरचनात्मक मूल्यांकन (बेंकेलमैन बीम डिफ्लेक्टोमीटर का उपयोग करके) करना, (ii) डीएनडी फ्लाईवे, मयूर विहार के लिए रखरखाव और सुदृढीकरण आवश्यकताओं (उपरिशाथी) का आकलन करना। लिंक सड़कें, दिल्ली और नोएडा साइड रैंप, (iii) निकट भविष्य में आवश्यक उपरिशाथी की लागत और रखरखाव की लागत का अनुमान लगाने के लिए। तदनुसार, यातायात और धुरी भार सर्वेक्षण के साथ-साथ परियोजना सड़कों में संरचनात्मक और कार्यात्मक मूल्यांकन सर्वेक्षण किया जाता है। सर्वेक्षण परिणामों के आधार पर मात्राओं के विवरण के बिल (बिल ऑफ क्वांटिटीज़) और रखरखाव के लिए अनुमानित लागत के साथ उपयुक्त रखरखाव उपचार (अर्थात् मिलिंग गहराई, उपरिशाथी मोटाई इत्यादि) प्रस्तावित किए जाते हैं।



चित्र 3. बीबीडी सर्वेक्षण



चित्र 4. बम्प इन्टीग्रेटर सर्वेक्षण

राजस्थान राज्य के चुरू में NH-65 चुरू-रतनगढ़ खंड पर रेलवे क्रॉसिंग संख्या 168/सी पर आरओबी के लिए स्थिति का आकलन और सुदृढीकरण उपायों के लिए सुझाव।

कार्य में आरओबी का विस्तृत दृश्य निरीक्षण, तकनीकी दस्तावेजों की समीक्षा और संरचनात्मक घटकों पर यादृच्छिक गैर-विनाशकारी परीक्षण अर्थात् रिबाउंड हैमर परीक्षण, अल्ट्रा सोनिक पल्स वेलोसिटी परीक्षण (यूपीवी), आवरण मापन, कार्बोनेशन परीक्षण, क्रोड परीक्षण और सुदृढीकरण/पुनर्वास के उपायों के सुझाव शामिल हैं। मोबाइल ब्रिज इंस्पेक्शन यूनिट (एमबीआईयू), मैन लिफ्टर/स्काई लिफ्टर (हाइड्रा) के माध्यम से सेतु का निरीक्षण चित्र 3 में दिखाए अनुसार किया गया। आरओबी, चुरू सुपर संरचना में 12 मीटर चौड़े डेक स्लैब के साथ दोनों तरफ 1.5 मीटर चौड़े कुट्टिम के साथ 2-लेन यानपथ शामिल है। आरओबी में 20 सामान्य समर्थित स्पैन हैं। मुख्य स्पैन के खंभों की नींव 22 मीटर गहरे ढेरों का एक समूह है।

22 से 27 जून, 2022 तक आरओबी के विस्तृत दृश्य निरीक्षण, यादृच्छिक एनडीटी के परीक्षण परिणामों के आधार पर, आरओबी के संरचनात्मक घटकों के दोषों के सुधार के लिए आवश्यक उपचारात्मक उपाय सुझाए गए। डेक स्लैब, एबटमेंट्स और पियर्स के लिए प्राथमिकता के आधार पर सुदृढीकरण उपायों को अपनाने की आवश्यकता है। कुछ जल निकासी टोंटियाँ और निपटान पाइप, टूटे हुए बेयरिंग, क्षतिग्रस्त विस्तार जोड़; और लगभग सभी विस्तार जोड़ों की रबर सील को बदलने की आवश्यकता है। विभिन्न दोषों और सुझाए गए मरम्मत/पुनर्वास उपायों पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की गई।



चित्र 5. चूरु में आरओबी के एमबीआईयू के माध्यम से गर्डरों का एक विशिष्ट दृश्य निरीक्षण

उत्तरांचल में जिला देहरादून में यमुना हाइडल योजना के तहत 2-सेतुओं (डाकपत्थर बैराज के साथ सेतु और बैराज के प्रमुख नियामक) के लिए संरचनात्मक सुरक्षा ऑडिट और सुदृढीकरण उपायों के लिए सुझाव

यूजेवीएनएल, उत्तराखंड सरकार के उद्यम ने देहरादून जिले में यमुना हाइडल योजना के तहत 2 सेतुओं के लिए संरचनात्मक सुरक्षा ऑडिट और सुदृढीकरण उपायों के लिए सुझाव के लिए सीआरआरआई से अनुरोध किया। डाकपत्थर बैराज पर सेतु का निर्माण वर्ष 1965 में किया गया था। सीआरआरआई टीम ने 14 अक्टूबर से 22 अक्टूबर, 2022 तक सेतु स्थल का दौरा किया। इस परियोजना कार्य में सेतु के संकटग्रस्त अवयवों के लिए विस्तृत दृश्य निरीक्षण, गैर-विनाशकारी परीक्षण, कार्बोनेशन परीक्षण, कोर परीक्षण आदि एवं उपचारात्मक उपाय शामिल हैं।

जैसाकि चित्र 4 में दिखाया गया है, मोबाइल ब्रिज इंस्पेक्शन यूनिट (एमबीआईयू) का उपयोग करके निरीक्षण किया गया है। डाकपत्थर बैराज पर सेतु के लगभग सभी हिस्सों में सुपर स्ट्रक्चर पर दरारें देखी गई हैं। कुछ गर्डर पर भी दरारें देखी गई हैं। बेयरिंग बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और बेयरिंग पेडस्टल भी गंभीर रूप से टूट गए हैं और क्षतिग्रस्त हो गए हैं। डाकपत्थर बैराज पर बने सेतु पर भी कुछ प्रस्तम्भ शीर्ष (पियर हेड) टूट गए हैं और क्षतिग्रस्त हो गए हैं।



चित्र 6: एमबीआईयू के माध्यम से डाकापत्थर बैराज के साथ सेतु के निरीक्षण का एक विशिष्ट दृश्य।

मोकामा में बिहार राज्य सड़क विकास निगम (बीएसआरडीसी), सड़क निर्माण विभाग, (आरसीडी), पटना, बिहार सरकार के लिए राजमार्ग क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र बिहार सड़क अनुसंधान संस्थान (बीआरआरआई) का निर्माण

सीएसआईआर-सीआरआरआई और बिहार राज्य सड़क विकास निगम (बीएसआरडीसी), सड़क और निर्माण विभाग, बिहार सरकार ने बिहार सरकार के लिए एक अत्याधुनिक सड़क अनुसंधान संस्थान की स्थापना के लिए 24.05.2021 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। बिहार सरकार ने देश में सड़क अनुसंधान में इसकी प्रमुख स्थिति को ध्यान में रखते हुए नामांकन के आधार पर सीएसआईआर-सीआरआरआई का चयन किया है।

राज्य में वर्तमान में 24000 किमी में फैले हुए राजमार्गों और एक्सप्रेसवे का विकास करने के लिए बीएसआरडीसी बिहार सरकार की एक नोडल एजेंसी है। बिहार सरकार ने अपने सड़क बुनियादी ढांचे को बड़े पैमाने पर विकसित करने के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से ऋण सहायता लेनी शुरू की है। बीएसआरडीसी का जोर न केवल गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा विकसित करने पर है, बल्कि अपने पेशेवरों के अनुसंधान और विकास और प्रशिक्षण के संदर्भ में संस्थागत क्षमता को बढ़ाने पर भी है। सीएसआईआर-सीआरआरआई पिछले 70 वर्षों में सड़क अनुसंधान में अपने विशाल और समृद्ध अनुभव से राज्य सरकार का मार्गदर्शन करेगा। अनुसंधान एवं विकास सुविधा के निर्माण से वैज्ञानिक तरीके से संसाधनों के तर्कसंगत उपयोग का मार्ग भी प्रशस्त होगा। परियोजना को पूरी तरह से बीएसआरडीसी द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा।

अब तक, सीआरआरआई ने बिहार के मोकामा में अनुसंधान सुविधा के लिए स्थल (साइट) की पहचान पूरी कर ली है और स्थल (साइट) के विकास के लिए बीएसआरडीसी के साथ समन्वय किया है (चित्र 5)। सीआरआरआई ने सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय प्रथाओं को अपनाने वाले बीएसआरडीसी द्वारा नियुक्त आर्किटेक्ट सह सलाहकार के लिए संदर्भ की शर्तों की तैयारी की भी सुविधा प्रदान की है। सीआरआरआई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों और अच्छे उद्योग प्रथाओं के अनुसार, बीएसआरडीसी लिमिटेड के परामर्श से पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम सामग्री आदि के विकास और अन्य अनुसंधान एवं विकास सेवाओं सहित प्रासंगिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की पहचान करेगा।

केंद्र की स्थापना के बाद बीएसआरडीसी अधिकारियों और अन्य हितधारकों के प्रशिक्षण की भी एमओयू के व्यापक दायरे के तहत परिकल्पना की गई है।



चित्र 7: बिहार में प्रस्तावित बीआरआरआई के लिए सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा अंतिम रूप दिए गए मास्टर प्लान का एक हवाई दृश्य।

नागपुर शहर में एनएच-53 के नागपुर-अमरावती सड़क पर पतले श्वेत आवरण (TWT) कुट्टिम (किमी 0+800 से 2+240, किमी 5+050 से किमी 8+500) का डिज़ाइन

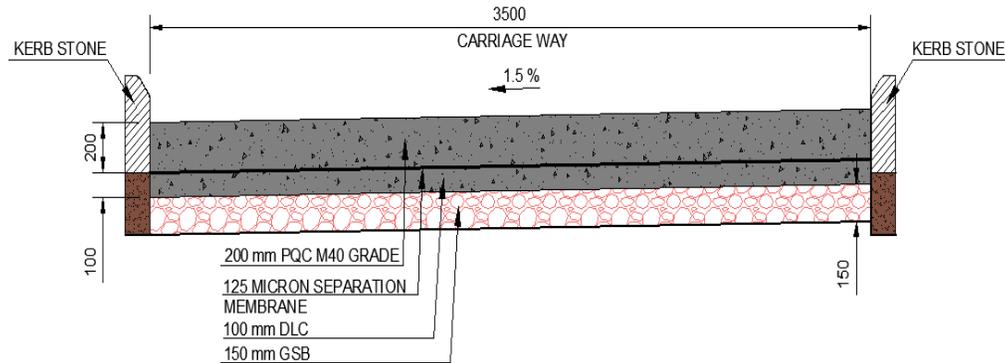
प्रोजेक्ट हाईवे के तहत, प्राधिकरण ने नागपुर शहर में NH-53 की नागपुर-अमरावती सड़क पर किमी 0+800 से किमी 2+240 और किमी 5+050 से किमी 8+500 तक श्वेत आवरण अर्थात सीमेंट कंक्रीट ओवरले का उपयोग करके मौजूदा चार लेन डामरीय सड़क को उन्नत (अपग्रेड) करने का निर्णय लिया है। इस परियोजना में विभिन्न सुविधाओं के साथ 6-लेन तक सुदृढीकरण, सुधार और चौड़ीकरण का कार्य शामिल है। एसपीडी इंफ्रा कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड, नागपुर ने सीएसआईआर-केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई), नई दिल्ली से नागपुर शहर में एनएच-53 पर मौजूदा बीटी रोड खंड के लिए प्रस्तावित श्वेत आवरण उपरिशायी (सीमेंट कंक्रीट रोड) की डिजाइन रिपोर्ट तैयार करने और प्रस्तुत करने का अनुरोध किया। पतले श्वेत आवरण उपरिशायी सहित किसी भी कंक्रीट सड़क की सफलता की कुंजी एक समान और स्थिर समर्थन प्रणाली है। श्वेत आवरण (सफेद टॉपिंग) यानी कंक्रीट ओवरले स्लैब की मोटाई मौजूदा कुट्टिम की स्थिति, अपेक्षित यातायात, वांछित जीवन काल, कंक्रीट की ताकत आदि के आधार पर भिन्न होती है। वर्तमान मामले में, कार्यस्थल की अन्य आवश्यकताओं के साथ-साथ ज्यामितीय मापदंडों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए ज्यादातर मौजूदा डामर कुट्टिम प्रणाली द्वारा मिलिंग के साथ या बिना मिलिंग (आवश्यकतानुसार) द्वारा समर्थन प्रदान किया जाता है या डीएलसी/बीटी या दोनों (मिलिंग और डीएलसी परत) के संयोजन का उपयोग करके प्रोफ़ाइल सुधार का उपयोग करना। कुट्टिम की स्थिति, दरारें, गड्ढे, समस्याग्रस्त स्थानों आदि जैसे संकटों का मूल्यांकन दृश्य निरीक्षण और अन्य विवरणों के माध्यम से पूरी तरह से किया गया था, जैसेकि पूरी चौड़ाई में मौजूदा सड़क की परत की संरचना, परत की परतें और उनकी मोटाई। गड्ढों के अवलोकन से किया गया (चित्र 6)। इसके अलावा, कार्यस्थल में अधः स्तर प्रतिक्रिया के मापांक का परीक्षण किया गया। यातायात सर्वेक्षण और धुरी भार भी सीआरआरआई को प्रस्तुत किए गए थे। अंत में, सड़क खंड के पतले श्वेत आवरण के लिए 10 मीटर सीडब्ल्यू के लिए 1125 मिमी x 11250 मिमी और 15 मीटर सीडब्ल्यू के लिए 1125 मिमी और 1250 मिमी वर्ग पैन्ल के आयाम के साथ 170 मिमी मोटे कंक्रीट कुट्टिम स्लैब का सुझाव दिया गया था।



चित्र 8: कार्यस्थल दौरे और फ़ील्ड परीक्षणों की कुछ विशिष्ट तस्वीरें

महरौली, दिल्ली में आरडीसी स्टोर में दृढ़ कुट्टिम (एप्रोच रोड) का डिजाइन

कार्यकारी अभियंता, एफ-डिवीजन, सीपीडब्ल्यूडी कृषि भवन, नई दिल्ली ने सीएसआईआर - सीआरआरआई से आरडीसी स्टोर, महरौली, नई दिल्ली में सीमेंट कंक्रीट सड़क का डिजाइन प्रदान करने का अनुरोध किया। कार्य के लिए सीआरआरआई शुल्क की स्वीकृति के परिणामस्वरूप, सीबीआर मूल्य के लिए सीआरआरआई प्रयोगशाला में अधः स्तर मिट्टी का परीक्षण किया गया। अधः स्तर मिट्टी का औसत सीबीआर मान 5% है। वाहन के प्रकार आदि पर विचार करने के बाद सड़क का डिजाइन तैयार किया गया। डिजाइन किए गए स्लैब की मोटाई 200 मिमी है और पैनल का आयाम 3.5 मीटर x 3.75 मीटर है। इस डिजाइन के लिए 28 दिनों में 4.5 एमपीए फ्लेक्सुरल ताकत देने में सक्षम सीमेंट कंक्रीट मिश्रण का सुझाव दिया गया था। चूंकि, एक समान, गैर-क्षरणीय आधार का उपयोग नींव के समर्थन को बढ़ाता है और तनाव और विक्षेपण को कम करता है, निर्माण में तेजी लाता है और संयुक्त भार हस्तांतरण में सुधार करता है। इसलिए, डिजाइन किए गए सेवाकाल पर उचित विचार करने के बाद 100 मिमी की डीएलसी परत की भी सलाह दी जाती है। डीएलसी और पीक्यूसी परत को हल्के रंग या सफेद रंग की 125 माइक्रोन (न्यूनतम) मोटी पॉलीथीन शीट से अलग किया जाएगा। डीएलसी परत के नीचे, 150 मिमी मोटी (न्यूनतम) जल निकासी सह पृथक्करण परत प्रदान की जाएगी। 500 मिमी लंबाई के 25 मिमी व्यास वाले डॉवेल बार 300 c/c पर उपलब्ध कराए गए थे। वर्तमान सड़क के लिए किसी टाई बार का उपयोग नहीं किया जाएगा।



चित्र 9: प्रस्तावित कंक्रीट कुट्टिम विवरण

यातायात सुरक्षा पर मोटर हेडलाइट बीम के प्रभाव का अध्ययन

इस अध्ययन का उद्देश्य मोटर वाहनों पर गाड़ी चलाते समय हेडलाइट बीम के सुरक्षा पहलुओं का आकलन करना है। अध्ययन में हेडलाइट रोशनी और इसके उपयोग की स्थितियों के संबंध में शहर में सड़क सुरक्षा की वर्तमान स्थिति पर शोध करना, सड़क सुरक्षा पर मोटर वाहन हेडलाइट्स के प्रभाव का विश्लेषण करना और हेडलाइट्स के उपयोग के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करना शामिल होगा। इससे मोटर वाहन उपयोगकर्ताओं के लिए सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए हेडलाइट्स के महत्व के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करने और एक व्यावहारिक मॉडल पेश करने की उम्मीद है जिसे दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने के लिए लागू किया जा सकता है। मोटर वाहन चलाते समय हेडलाइट्स के सुरक्षा पहलुओं पर अध्ययन का अपेक्षित परिणाम मोटर वाहन हेडलाइट के उपयोग और विशिष्टताओं के संदर्भ में एक सुरक्षा दिशानिर्देशों का विकास है जो सवारों, यात्रियों और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए सड़क सुरक्षा में सुधार कर सकता है। चकाचौंध रोशनी/हेडलाइट की चमक को कम करने वाले उपकरण के विकास से सभी परिवेशीय प्रकाश स्थितियों में चालक की परिस्थिति जागरूकता में सुधार करके आने वाले वाहनों से आने वाली चकाचौंध चमक के कारण दुर्घटनाओं को कम करने की क्षमता है।

इसके अलावा, हेडलाइट की रोशनी और इसके उपयोग की स्थितियों के संदर्भ में शहर में सड़क सुरक्षा का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है, सड़क सुरक्षा पर मोटर वाहन हेडलाइट्स के प्रभाव का विश्लेषण किया जा रहा है, हेडलाइट्स के उपयोग के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान की जा रही है जैसे हेडलाइट्स लगाना, मूल्यांकन करना आगे चल रहे वाहन की टेल लाइट की तीव्रता, हेडलाइट लाइट तकनीक, हेडलाइट लाइट आउटपुट प्रोफाइल, डी-रेटिंग के कारण गिरावट, वाहन का प्रकार और विंडशील्ड के माध्यम से ट्रांसमिशन।

प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग के माध्यम से सड़क सुरक्षा के लिए बुद्धिमत्तापूर्ण समाधान (iRASTE)

नागपुर शहर में ऐतिहासिक दुर्घटना आंकड़ों को देखने पर, यह पाया गया कि 2008 से 2021 के बीच सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 1200 से 1500 के बीच थी, जो लगभग प्रति 1 लाख जनसंख्या पर 60 दुर्घटनाओं का दर्शाती है। मृत्यु दर प्रति लाख जनसंख्या पर 10 पीड़ित पाई गई। उपरोक्त में से, पैदल यात्री और दोपहिया वाहन (साइकिल चालकों के कुछ छोटे अनुपात सहित) शहर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में क्रमशः 85% और 59% सड़क दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार हैं, जो इस तथ्य को दर्शाता है कि शहर में उपरोक्त श्रेणी के कमजोर सड़क उपयोगकर्ताओं (वीआरयू) के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने वाले पर्याप्त बुनियादी ढांचे की कमी है। उपरोक्त मुद्दों का समाधान करने के लिए, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग के माध्यम से सड़क सुरक्षा के लिए बुद्धिमत्तापूर्ण समाधानों (iRASTE) : नागपुर, एक महत्वपूर्ण पायलट प्रोजेक्ट का उद्घाटन 11 सितंबर, 2021 को भारत के माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इसका मुख्य लक्ष्य 2023 तक नागपुर में 50% मृत्यु/गंभीर चोटों को कम करना है। एक समग्र सुरक्षित प्रणाली दृष्टिकोण के कार्यान्वयन के लिए प्रयास करना है जिसका लक्ष्य 2 साल की अवधि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का लाभ उठाकर मृत्यु में 50% की कमी लाना है। नागपुर में लगभग 250 बसों में उन्नत चालक सहायता प्रणाली (एडीएस) स्थापित करना, जिसमें नागपुर नगर निगम (एनएमसी) के परमिट के तहत चलने वाली 200 बसें और 50 स्कूल बसें भी शामिल थीं।



चित्र 10: नागपुर बसों में स्थापित उन्नत चालक सहायता प्रणाली (एडीएस) का चित्रण

लाल मृदा का उपयोग करके निर्मित सड़क का डिज़ाइन, निर्माण, पर्यवेक्षण और कृत्रिम प्रदर्शन मूल्यांकन

लाल मृदा अपने अयस्क से एल्यूमीनियम के निष्कर्षण के दौरान उत्पन्न एक अपशिष्ट पदार्थ है। सड़क निर्माण में इसके संभावित अनुप्रयोग का पता लगाने के लिए सीएसआईआर-सीआरआरआई में एक प्रयोगशाला अध्ययन किया गया और यह निष्कर्ष निकाला गया कि इसका उपयोग तटबंध और सबग्रेड सामग्री के रूप में किया जा सकता है। उसके बाद यह निर्णय लिया गया कि पायलट अध्ययन के तौर पर वास्तविक क्षेत्र की स्थिति में इसके प्रदर्शन की जांच की जानी चाहिए। इस बीच, ओडिशा राज्य में रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारे के तहत एनएच-130-सीडी रोड के छह लेन कालियागुरा-बौंसगुआर खंड का विकास 249+000 से 293+000 तक प्रगति पर है। दो स्थानों पर फ्लाईओवर की लूप रोड में लाल मृदा के प्रायोगिक खंड बनाने का निर्णय लिया गया। पहले खंड में, फ्लाई ऐश के साथ सबग्रेड के निर्माण में लाल मृदा का उपयोग किया गया था और दूसरे खंड में, फ्लाई ऐश के साथ लाल मृदा का उपयोग तटबंध के निर्माण में किया गया था। बाकी परतों का निर्माण पारंपरिक मृदा और समग्र सामग्री का उपयोग करके किया गया था। दोनों लाल मृदा मिश्रण खंडों के प्रदर्शन की तुलना करने के लिए, पारंपरिक सामग्रियों का उपयोग करके प्रयोगात्मक खंडों के साथ निरंतरता में पारंपरिक खंडों का भी निर्माण किया गया था। निर्माण के दौरान, सघन विभिन्न परतों पर घनत्व परीक्षण किया गया और देखा गया कि यह पारंपरिक खंड के समान है अर्थात् > 95% संघनन की डिग्री। पूर्ण निर्माण के बाद कम से कम दो वर्ष तक इसका निष्पादन किया जाएगा।



चित्र 11. कोरापुट, ओडिशा में प्रयोगात्मक लाल मृदा का एक सचित्र दृश्य

सूरत-हजीरा खंड पर एनएच-6 के चेनेज किमी 118+600 और किमी 116+300 पर एमएसई दीवार प्रावरणी के पुनर्वास के लिए उपचारात्मक उपायों के कार्यान्वयन को डिजाइन और मार्गदर्शन करना।

मेसर्स सूरत-हजीरा एनएच-6 टोलवे प्राइवेट लिमिटेड, सूरत के परियोजना प्रभारी (ग्राहक) ने निदेशक, सीएसआईआर-सीआरआरआई, नई दिल्ली से कुट्टिम में ऊर्ध्वाधर निपटान और चेनेज किमी 118+600 (कृभको आरओबी) और किमी 116+300 (इच्छापुर आरओबी) पर एमएसई दीवारों के पार्श्व विस्थापन के कारणों की जांच करने का अनुरोध किया। परियोजना की आवश्यकताओं के अनुसार, सीएसआईआर-सीआरआरआई टीम ने क्षेत्र (भू-तकनीकी जांच) और प्रयोगशाला जांच की। क्षेत्र जांच के दौरान, कीलों पर पुल आउट परीक्षण आयोजित किया गया। क्षेत्र और प्रयोगशाला जांच के आधार पर विफलताओं के कारणों की जांच की गई। तदनुसार, सतही जल निकासी उपाय, पैनल जोड़ों/दरारों/मरम्मत को सील करना और क्रेश बैरियर और कुट्टिम सतह के जंक्शन पर गोला लगाने जैसे तत्काल उपचारात्मक उपाय सुझाए गए थे। तत्काल उपायों के कार्यान्वयन के बाद, कार्यस्थलों की लगभग 4 महीने तक स्पॉट लेवल द्वारा निगरानी की गई और उसके बाद मिट्टी की सफाई और उप सतह जल निकासी उपायों जैसे स्थायी उपायों को डिजाइन किया गया और अंतिम रिपोर्ट में सुझाया गया। सुझाए गए उपायों के कार्यान्वयन को सीएसआईआर-सीआरआरआई टीम द्वारा भी निर्देशित किया गया था।



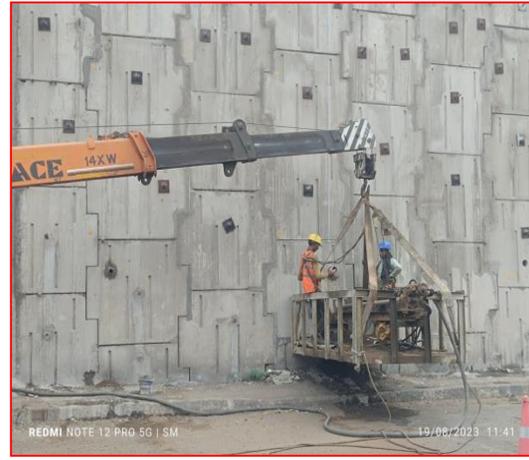
कुट्टिम निपदन के कारण क्रेश बैरियर का झुकाव हुआ



भू-तकनीकी अन्वेषण प्रगति पर



एमएसई दीवार में टेस्ट नेल ड्राइव



मृदा कीलबंदी कार्यान्वयन कार्य प्रगति पर

परियोजना का शीर्षक: दिल्ली के लिए इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) की कार्यान्वयन पद्धति का आकलन और मूल्यांकन

अध्ययन का दायरा मुख्यतः दिल्ली शहर के लिए है। यह कार्य निम्नलिखित कार्यों पर मार्गदर्शन, महत्वपूर्ण मूल्यांकन, सीडीएसी द्वारा दिल्ली ट्रैफिक पुलिस (डीटीपी) को प्रस्तुत विश्लेषण/रिपोर्ट की जांच पर केंद्रित होगा :

1) अनुकूली यातायात नियंत्रण प्रणाली के डिजाइन के लिए यातायात डेटा संकलन और विश्लेषण,

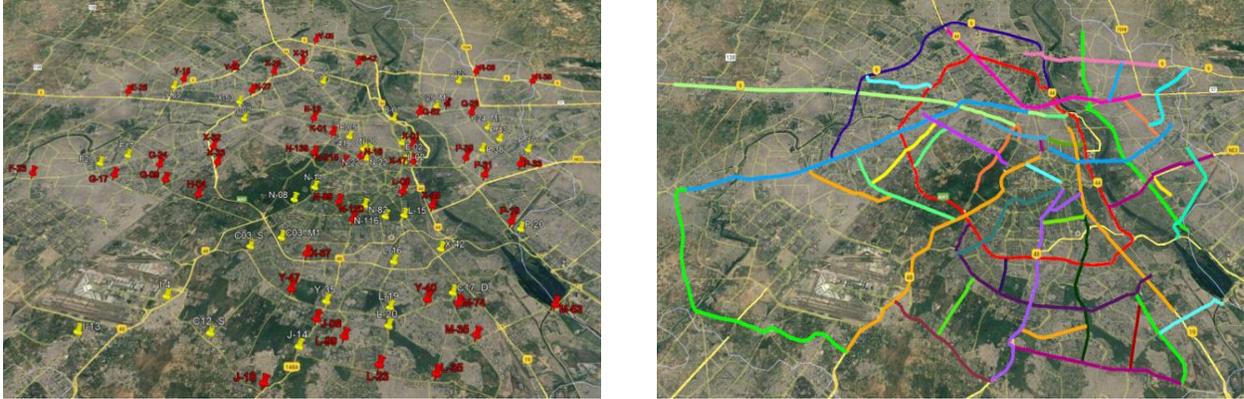
पैदल यात्री सिग्नल सिस्टम और प्राथमिकता सक्षम वाहन;

- ❖ निम्न, मध्यम और उच्च यातायात मात्रा के आधार पर गलियारों (42 संख्या) और महत्वपूर्ण चौराहों (300+ संख्या) के चयन के लिए टोही अध्ययन
- ❖ यातायात सर्वेक्षण प्रोफार्मा, यातायात डेटा मापदंडों की सूची, डेटा संग्रह की विधि और नमूना आकार और यातायात डेटा संग्रह के लिए पद्धति का सत्यापन।
- ❖ सर्वेक्षण के प्रकार :

- वर्गीकृत यातायात वॉल्यूम गणना (सीवीसी);
 - पैदल यात्रियों की संख्या की गणना
 - गति और विलंब (एस एंड डी) अध्ययन जिसमें स्पॉट स्पीड सर्वेक्षण सहित प्रमुख गलियारों को शामिल किया गया है
 - कतार लंबाई सर्वेक्षण
 - ❖ विश्लेषण डेटा का सत्यापन (प्रमुख चौराहों और मिडब्लॉक पैदल यात्री क्रॉसिंग पर चौराहों और पैदल यात्रियों के प्रतीक्षा समय में KPI जैसे यात्रा की गति, विलंब, कतार की लंबाई)
- 2) कॉरिडोर और नेटवर्क स्तर विश्लेषण और मैपिंग;
- ❖ 42 गलियारों और 300 जंक्शनों की सूची के लिए यातायात विश्लेषण रिपोर्ट पर सुझाव और अनुशंसाएँ, आगे स्थायी यातायात गिनती सेंसर की स्थापना के लिए स्थानों की पहचान
 - ❖ आईटीएमएस परिदृश्य से पहले और आईटीएमएस परिदृश्य के बाद केपीआई के विभिन्न प्रकार के अनुकरण और मूल्यांकन लिए सिमुलेशन विश्लेषण रिपोर्ट पर सुझाव और अनुशंसाएँ
- 3) यातायात प्रबंधन और प्रवर्तन प्रणालियों और ज्यामितीय सुधारों के कार्यान्वयन के लिए चौराहे और गलियारे के चित्र;
- ❖ आईटीएमएस समाधान के कार्यान्वयन के लिए इंटरसेक्शन ड्राइंग (1200 सिग्नल और 600 ब्लिंकर स्थान) और कॉरिडोर (42 संख्या) की तैयारी की समीक्षा और मूल्यांकन करें और उम्मीदवार इंटरसेक्शन के लिए ज्यामितीय डिजाइन सुधार के लिए सीडीएसी द्वारा दी गई अनुशंसाओं की समीक्षा करें।
- 4) ब्लैक स्पॉट सुधार प्रस्तावों की समीक्षा;
- ❖ पहचाने गए स्थानों की सूची के लिए ब्लैक स्पॉट सुधार चित्रों की समीक्षा और अनुशंसाएँ
- 5) सड़क सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम
- ❖ सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच सड़क सुरक्षा के बारे में वर्तमान जागरूकता का अवलोकन और आईटीएमएस कार्यान्वयन के बाद दिल्ली पुलिस द्वारा आयोजित किए जाने वाले सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों पर अनुशंसाएँ।

कार्यप्रणाली में मुख्य रूप से कम, मध्यम और उच्च मात्रा वाले यातायात के आधार पर कम से कम 300 चौराहों से जुड़े गलियारों (42 संख्या) और 82 महत्वपूर्ण चौराहों (प्रति गलियारा 2 संख्या) का चयन शामिल है जैसाकि चित्र 10 में दिखाया गया है। यातायात सर्वेक्षण प्रोफार्मा की तैयारी, प्रमुख गलियारों को कवर करने वाले वर्गीकृत यातायात वॉल्यूम काउंट (सीवीसी, पैदल यात्री वॉल्यूम काउंट), गति और विलंब (एस एंड डी) अध्ययनों के यातायात डेटा संग्रह के लिए उपयुक्त डेटा संग्रह तकनीकों, नमूना आकार की आवश्यकता और कार्यप्रणाली के सत्यापन का सुझाव देना (जैसाकि चित्र 10 में दिखाया गया है) जिसमें स्पॉट स्पीड सर्वेक्षण और कतार लंबाई सर्वेक्षण शामिल हैं। विभिन्न प्रकार के सिमुलेशन के लिए सिमुलेशन विश्लेषण रिपोर्ट की समीक्षा और आईटीएमएस परिदृश्य से पहले और आईटीएमएस परिदृश्य के बाद केपीआई का मूल्यांकन। अपेक्षित डिलिवरेबल्स हैं: यातायात

सर्वेक्षण के लिए प्रोफार्मा को अंतिम रूप देना, अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली और नमूना आकार, गलियारों की अंतिम सूची, यातायात अध्ययन और समीक्षा के लिए महत्वपूर्ण चौराहे, इन्वेंट्री सर्वेक्षण और यातायात सर्वेक्षण विश्लेषण और सीडीएसी द्वारा दिल्ली के लिए आईटीएमएस पर डीपीआर के लिए प्रस्तुत रिपोर्ट सत्यापन और अनुमोदन।



चित्र 12: गति और विलंब सर्वेक्षण के लिए चयनित गलियारे

एकीकृत परिवहन नेटवर्क विकास योजना (आई.टी.एन.डी.पी.) की तैयारी

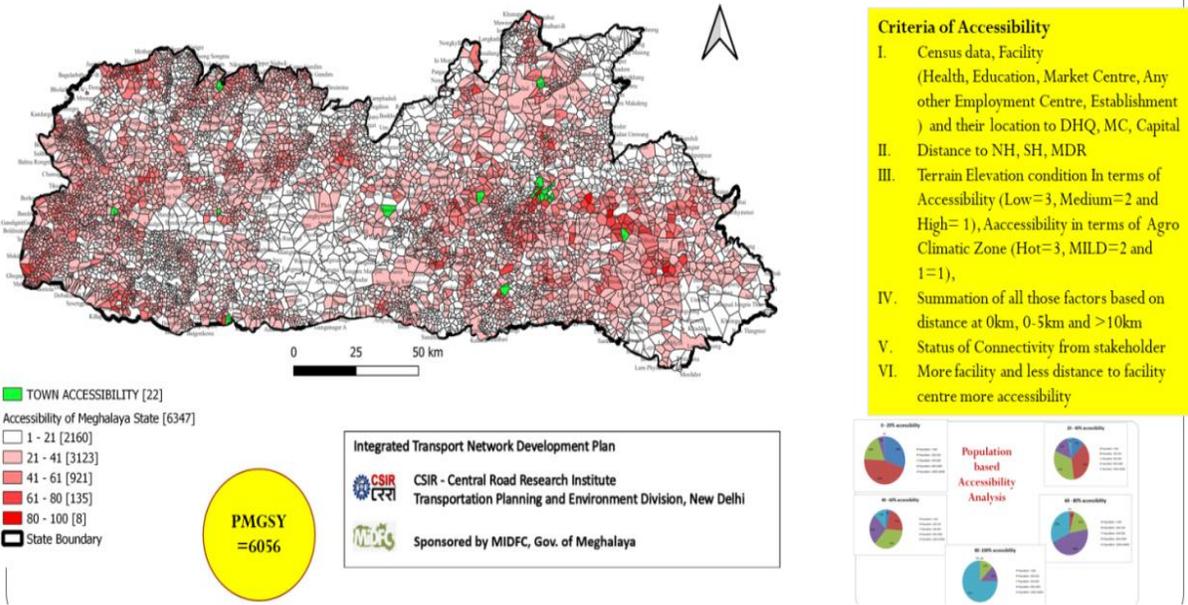
पूरे राज्य के लिए एक एकीकृत परिवहन नेटवर्क विकास योजना (आईटीएनडीपी) विकसित करना। आईटीएनडीपी को राज्य के दृष्टिकोण और पर्यटन, कृषि, उद्योग, खनन के साथ-साथ सभी बस्तियों की परिवहन कनेक्टिविटी सहित क्षेत्रों की मांगों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक परिवहन नेटवर्क की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

दायरा: इसमें निम्नलिखित पर विचार/शामिल होना चाहिए:

- परिवहन के विभिन्न मार्गों के लिए राष्ट्रीय और राज्य सरकार की मौजूदा सड़क और परिवहन नेटवर्क विकास योजना (वायु, रेल, जलमार्ग और सड़क) की समीक्षा और संश्लेषण और शेष भारत और पड़ोसी देशों के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र के मौजूदा परिवहन लिंक/मार्गों में सुधार का सुझाव देना।
- एसएच और एमडीआर नेटवर्क कनेक्टिविटी योजना का विकास जिसमें अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य कनेक्टिविटी, सीम क्रॉसिंग मार्ग कनेक्टिविटी, पर्यटक केंद्र, कृषि क्षेत्र, उद्योग और खनन क्षेत्र, मौजूदा नेटवर्क में लापता लिंक और सेतुओं की पहचान और कोर नेटवर्क के साथ एकीकरण सामरिक महत्व के लिए सड़कें शामिल हैं।
- पीएमजीएसवाई और अन्य ग्रामीण सड़क कार्यक्रमों के लिए ग्रामीण सड़क नेटवर्क योजनाओं का एसएच/एमडीआर/एनएच/एशियाई राजमार्ग के साथ एकीकरण।
- छोटी बस्तियों को जोड़ने और कृषि क्षेत्रों, पर्यटन केंद्रों, उद्योगों और खनन क्षेत्रों को खोलने और एमडीआर/एसएच/एनएच/एशियाई राजमार्ग के साथ एकीकरण के लिए स्थानीय सड़कों, रास्तों और छोटे सेतुओं का एकीकरण।
- पर्यटक स्थलों और छोटी बस्तियों सहित कठिन इलाके की स्थितियों में स्थित स्थानों के लिए रोपवे कनेक्टिविटी योजना की पहचान और विकास।
- पूरे राज्य सड़क नेटवर्क का सड़क पुनर्वर्गीकरण, प्राथमिकताकरण, वित्तपोषण योजना।
- मेघालय में इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट नेटवर्क डेवलपमेंट प्लान (आईटीएनडीपी) का अध्ययन, मेघालय इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (एमआईडीएफसी) द्वारा शुरू किया गया और सीएसआईआर-केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान

द्वारा संचालित किया गया, जो तीन चरणों में फैला है। चरण 1 डेटा संग्रह, विश्लेषण और प्रस्तावित 3154 किमी परिवहन बुनियादी ढांचे में कमियों की पहचान करने पर केंद्रित था, जबकि चरण 2 में सड़क और परिवहन प्रणाली के लिए एक एकीकृत मास्टर प्लान का विकास शामिल था। चरण 2 मेघालय में 7547 किमी के परिवहन बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप प्रस्तुत करता है, और चरण 3 में 1800 असंबद्ध बस्तियों के लिए नई सड़कों का निर्माण शामिल है। सरकारी अधिकारियों, इंजीनियरों और उद्योग विशेषज्ञों सहित हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श, प्राथमिक और द्वितीयक दोनों स्तरों से डेटा संग्रह के माध्यम से, अध्ययन ने मेघालय में बेहतर परिवहन बुनियादी ढांचे की आवश्यकता की पहचान की है और इसे संबोधित करने के लिए प्रस्तावित उपाय किए हैं।

- चरण 2 की सड़कों की योजना पहुंच आधारित योजना का उपयोग करके बनाई गई है जैसाकि चित्र में दिखाया गया है। मेघालय में आईटीएनडीपी के चरण 2 के सफल कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त धन की आवश्यकता है और प्रस्तावित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 20 वर्षों में अनुमानित लागत 775284 लाख है। समय पर पूरा होने और बुनियादी ढांचे की वांछित गुणवत्ता बनाए रखने को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन आबंटित करना महत्वपूर्ण है।



चित्र 13 : सुलभता आधारित योजना और अवसंरचना का प्रावधान

आयोजित बैठकें/कार्यशालाएं/सम्मेलन

पैच फिल मशीन एवं मोबाइल कोल्ड मिक्सर सह पेवर मशीन का उद्घाटन

माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार, श्री नितिन गडकरी; माननीय केंद्रीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान, डॉ. जितेंद्र सिंह और माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री, जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) ने सीएसआईआर-सीआरआरआई का 09 मई, 2022 को दौरा किया। सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित गड्डों की मरम्मत के लिए पैच फिल मशीन और मोबाइल कोल्ड मिक्सर सह पेवर मशीन का उद्घाटन किया।



"प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग के माध्यम से सड़क सुरक्षा के लिए बुद्धिमत्तापूर्ण समाधान (iRASTE) " पर कार्यशाला सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा 13-14 जून, 2022 के दौरान "प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग के माध्यम से सड़क सुरक्षा के लिए बुद्धिमत्तापूर्ण समाधान (iRASTE) " नामक परियोजना पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। परियोजना के लक्ष्य में "एक समग्र सुरक्षित प्रणाली दृष्टिकोण का कार्यान्वयन" शामिल है। 2 वर्षों की अवधि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का लाभ उठाकर नागपुर शहर में सड़क दुर्घटनाओं/मृत्यु में 50% तक की कमी आई।



"उन्नत प्रौद्योगिकियों, सड़क निर्माण में अपशिष्ट प्लास्टिक का उपयोग और लद्दाख में सड़क सुरक्षा उपायों" पर कार्यशाला

12-13 जुलाई, 2022 के दौरान कारगिल, लद्दाख में सीएसआईआर-सीआरआरआई के सहयोग से ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग (आरडी एंड पीआरडी) यूटी लद्दाख द्वारा "उन्नत प्रौद्योगिकियों, सड़क निर्माण में अपशिष्ट प्लास्टिक का उपयोग और लद्दाख में सड़क सुरक्षा उपायों" पर 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

डॉ. पी. रायचौधरी मेमोरियल व्याख्यान श्रृंखला

सीएसआईआर-सीआरआरआई ने राष्ट्र के प्रति उनके महत्वपूर्ण पेशेवर योगदान के लिए सीएसआईआर-सीआरआरआई के सेतु प्रभाग के प्रथम प्रमुख स्वर्गीय डॉ. पी. रायचौधरी के सम्मान में 2018 में "डॉ. पी. रायचौधरी मेमोरियल व्याख्यान श्रृंखला शुरू की है। इस श्रृंखला का 5वां व्याख्यान 24 अगस्त, 2022 को आयोजित किया गया था और डॉ. एन.सी. पाल, इंजीनियर-इन-चीफ (डिज़ाइन), लोक निर्माण विभाग, ओडिशा सरकार ने "सेतु रखरखाव प्रबंधन प्रणाली (बीएमएमएस) - सीखे गए सबक और आगे का रास्ता" पर व्याख्यान दिया। सीएसआईआर-सीआरआरआई के प्रभारी निदेशक श्री यू.के. गुरुवित्तल ने डॉ. एन.सी. पाल और डॉ. पी. रायचौधरी के परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया।



ग्रामीण सड़कों और सेतुओं के निर्माण में नई प्रौद्योगिकियों और वहनीयता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

भारतीय सड़क कांग्रेस, सीएसआईआर-सीआरआरआई, आईआईटी और एनआईटी के साथ एनआरआईडीए एसोसिएशन द्वारा ग्रामीण सड़कों और सेतुओं के निर्माण में नई और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों पर 24-26 मई 2022 प्रगति मैदान, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।



मेघालय के लिए एकीकृत परिवहन नेटवर्क विकास योजना (आईटीएनडीपी) पर कार्यशाला

विश्व बैंक योजना के तहत एमआईडीएफसी, मेघालय द्वारा वित्त पोषित आईटीएनडीपी अध्ययन के लिए दक्षिण पश्चिम गारो हिल जिला अमपाती में पीडब्ल्यूडी, डीआरडीए, बीडीओ, कृषि, सीमा विकास, बागवानी, पर्यटक, खनन और मत्स्य पालन विभाग आदि जैसे हितधारकों के लिए 11 अप्रैल, 2022 को एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।



आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम

नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम

उपयोगकर्ता एजेंसियों/संगठनों के इंजीनियरों को प्रशिक्षण प्रदान करके मानव संसाधनों का कौशल विकास संस्थान के अनुसंधान और विकास कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग है। इस वित्तीय वर्ष के दौरान, सरकारी, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में सड़क और सड़क परिवहन से संबंधित उपयोगकर्ता संगठनों के इंजीनियरों / पेशेवरों के लिए निम्नलिखित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से, संस्थान ने उपयोगकर्ता संगठनों के कनिष्ठ, मध्यम और वरिष्ठ स्तर के इंजीनियरों को प्रशिक्षण दिया और उन्हें सड़क और सड़क परिवहन के विभिन्न पहलुओं पर नवीनतम शोध आधारित जानकारी से परिचित कराया।

वित्तीय वर्ष के दौरान, संस्थान ने निम्नलिखित नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए, जैसा कि नीचे दी गई तालिका में सूचीबद्ध है।

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	अवधि/तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	उद्घाटन
1.	यातायात अभियांत्रिकी और सड़क सुरक्षा ऑडिट	25-29 जुलाई, 2022	27	श्री. यू.के. गुरु विट्टल, मुख्य वैज्ञानिक
2.	सुनम्य कुट्टियों में डिजाइन, निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण	22-26 अगस्त, 2022	30	डॉ. अंबिका बहल, प्रधान वैज्ञानिक
3.	दृढ़ कुट्टियों का डिजाइन निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण और रखरखाव	12-16 सितंबर, 2022	20	डॉ. आर.के. गर्ग, मुख्य वैज्ञानिक



अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम

ऑनलाइन नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, संस्थान ने उपयोगकर्ता एजेंसियों की विशिष्ट प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ग्राहक उन्मुख/अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए। इस अवधि के दौरान, संस्थान ने नीचे दी गई तालिका में सूचीबद्ध निम्नलिखित अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

क्र. सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	अवधि/तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रायोजक एजेंसी
1.	पहाड़ी/पर्वतीय क्षेत्रों में लागू राजमार्ग इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विचार और तकनीकें	07 जून, 2022	25	एनएचआईडीसीएल, भारत सरकार
2.	ठंडे क्षेत्र में सड़क निर्माण में एडवांस टेक्नोलॉजीज और अपशिष्ट प्लास्टिक	07-08 जुलाई, 2022	50	आरडी एंड पीआर विभाग, यूटी ऑफ

	के उपयोग पर क्षमता निर्माण			लद्दाख
3.	एडवांस टेक्नोलॉजीज पर क्षमता निर्माण और ठंडे क्षेत्र में सड़क निर्माण में अपशिष्ट प्लास्टिक का उपयोग	11-12 जुलाई, 2022	52	आरडी एंड पीआर विभाग, यूटी ऑफ लद्दाख
4.	दृढ़ और सुनम्य कुट्टियों का डिजाइन, निर्माण और गुणवत्ता नियंत्रण	05-09 सितंबर, 2022	35	एनआरआईडीए, भारत सरकार
5.	सीमांत सामग्री के उपयोग सहित ग्रामीण सड़कों में नई प्रौद्योगिकी पहल	19-23 सितंबर, 2022	34	एनआरआईडीए, भारत सरकार
6.	एयरफील्ड इंजीनियरिंग पर कैम्पस	26-30 सितंबर, 2022	19	बीआरओ, भारत सरकार

मॉर्थ अनुमोदित 15-दिवसीय प्रमाणन पाठ्यक्रम

सीएसआईआर-सीआरआरआई ने 28 मार्च से 12 अप्रैल, 2022 के दौरान सड़क सुरक्षा लेखा परीक्षकों/राजमार्ग इंजीनियरों/यातायात इंजीनियरों/परिवहन योजनाकारों और छात्र प्रशिक्षुओं के लिए "सड़क सुरक्षा ऑडिट और अन्य सड़क सुरक्षा संबंधित पहलुओं" पर मॉर्थ (एमओआरटीएच) द्वारा अनुमोदित 15-दिवसीय प्रमाणन पाठ्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्घाटन सीएसआईआर-सीआरआरआई की मुख्य वैज्ञानिक डॉ. लक्ष्मी परमेश्वरन ने किया और इसमें भारत के विभिन्न हिस्सों से 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

आरटीआई पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

सीएसआईआर-सीआरआरआई ने संस्थान के स्टाफ सदस्यों के लिए 25 मई, 2022 को आरटीआई पर एक दिवसीय व्याख्यान सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान, डीएसआईआर, भारत सरकार से आमंत्रित फैकल्टी श्री विमल कुमार वरुण, वैज्ञानिक एफ. द्वारा आरटीआई पर एक व्याख्यान दिया गया।



चल रहे प्रोजेक्ट iRASTE के एक भाग के रूप में ड्राइवरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

चल रहे प्रोजेक्ट iRASTE के एक भाग के रूप में ड्राइवरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एक कार्यक्रम सितंबर, 2022 में आयोजित किया गया था। कुल मिलाकर, 300 से अधिक ड्राइवरों ने प्रशिक्षण भागीदार अशोक लीलैंड के साथ सामान्य सड़क सुरक्षा के लिए प्रशिक्षण लिया। इसके समानांतर, ड्राइवरों के लिए वियना परीक्षण और आंखों की जांच की गई।

आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान/बैठक में भागीदारी (सीआरआरआई के बाहर)

स्टाफ का नाम और पदनाम	व्याख्यान/वार्ता/गतिविधि का शीर्षक	उद्देश्य (सम्मेलन या अन्यथा)	दिनांक
डॉ. प्रदीप कुमार, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	सड़क संपत्ति प्रबंधन: वर्तमान और भविष्य	जियोस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर 2022, हॉलिडे इन, एयरोसिटी, नई दिल्ली	05-06 सितंबर, 2022
सचिन गौड़ा एमके, वैज्ञानिक	एफडब्ल्यूडी का उपयोग करके सुनम्य कुट्टिम का संरचनात्मक मूल्यांकन	आरएएसटीए-सेंटर फॉर रोड टेक्नोलॉजी, बैंगलोर द्वारा को वेबिनार आयोजित किया गया।	01 सितंबर, 2022
डॉ. आकाश गुप्ता, वैज्ञानिक	सुनम्य कुट्टिम का कार्यात्मक मूल्यांकन	आरएएसटीए-सेंटर फॉर रोड टेक्नोलॉजी, बैंगलोर द्वारा को वेबिनार आयोजित किया	01 सितंबर, 2022

		गया।	
डॉ. अंबिका बहल, प्रधान वैज्ञानिक	कुट्टिमों का शीत पुनर्चक्रण	ग्रामीण सड़कों के निर्माण में नई प्रौद्योगिकी और टिकाऊ सामग्री पर एनआरआईडीए द्वारा 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया	24-26 मई, 2022
डॉ. एस. वेलुमुरुगन, मुख्य वैज्ञानिक	निर्माण संचालन और स्थानांतरण परियोजना पर विभिन्न पहलुओं को समाहित करते हुए सड़क सुरक्षा ऑडिट (आरएसए) कार्यान्वयन का अवलोकन करना	अंतर्राष्ट्रीय संस्थान सूचना प्रौद्योगिकी (IIIT), हैदराबाद द्वारा आयोजित आईहब-डेटा मोबिलिटी शिखर सम्मेलन-2022	23 सितम्बर, 2022
	सड़क इंजीनियरिंग के साथ आर्टिफिशियल इन्टेलिजन्स के संयोजन की प्रभावशीलता - एक केस अध्ययन	बिट्स, पिलानी-हैदराबाद	24 सितंबर, 2022
	सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए गति नियंत्रण के उपाय	मेसर्स चोला मंडलम रिस्क सर्विसेज़ द्वारा आयोजित 3 - दिवसीय प्रमाणन पाठ्यक्रम	01 अगस्त, 2022
डॉ. के. रविंदर, मुख्य वैज्ञानिक	स्थिरता के संबंध में सार्वजनिक परिवहन और गैर-मोटर चालित परिवहन के लिए मूल्यांकन पद्धति	परिवहन अवसंरचना परियोजनाओं पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: संकल्पना से निष्पादन (टीआईपीसीई 2022), आईआईटी रुड़की	15 सितंबर, 2022
	राजमार्ग इंजीनियरों के लिए सड़क खतरा पहचान और प्रबंधन और पहाड़ी सड़क	सोसाइटी ऑफ ट्रांसपोर्ट इंजीनियर्स नेपाल (एसओटीईएन) द्वारा	19 मई, 2022

	सुरक्षा	"सुरक्षित सड़कें: जीवन-रक्षा के लिए" विषय पर ऑनलाइन सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।	
पार्वती जी.एस., प्रधान वैज्ञानिक	जियो टेक्सटाइल्स का अनुप्रयोग और उपयोगिता	कपड़ा मंत्रालय द्वारा टेक्निकल टेक्सटाइल्स कॉन्फ्रेंस इफाल, मणिपुर में आयोजित किया गया	23 अगस्त 2022
	पहाड़ी सड़कों की जल निकासी	भारतीय राजमार्ग इंजीनियर्स अकादमी (सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार)	25 अगस्त, 2022
डॉ. वसंत जी. हवानागी, मुख्य वैज्ञानिक	तटबंध और प्रबलित पृथ्वी की दीवारों का डिजाइन	1 मार्च 2022 31 दिसंबर 2022 तक MoRTH के सहायक कार्यकारी अभियंताओं के लिए IAHE का 6 महीने का फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 अप्रैल, 2022
	मृदा की भू-तकनीकी विशेषताओं का महत्व और प्रयोगशाला प्रदर्शन।	1 मार्च 2022 31 दिसंबर 2022 तक MoRTH के सहायक कार्यकारी अभियंताओं के लिए IAHE का 6 महीने का फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम	6 जून, 2022
डॉ. एर्मपल्ली मधु, मुख्य वैज्ञानिक	स्थिरता के संबंध में सार्वजनिक परिवहन और गैर-मोटर चालित परिवहन के लिए मूल्यांकन पद्धति	परिवहन अवसंरचना परियोजनाओं पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: संकल्पना से निष्पादन (टीआईपीसीई 2022), आईआईटी रुड़की	15 सितंबर, 2022
	19 मई, 2022 को सोसाइटी ऑफ ट्रांसपोर्ट इंजीनियर्स नेपाल (एसओटीईएन) द्वारा	एएस, मॉर्थ द्वारा आयोजित एमओईएफसीसी के टास्क ग्रुप 2 (एक एकीकृत, कुशल, समावेशी, कम कार्बन	6 जुलाई, 2022

	"सुरक्षित सड़कें: जीवन-रक्षा के लिए" विषय पर राजमार्ग इंजीनियरों के लिए आयोजित ऑनलाइन सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दौरान "सड़क खतरा पहचान और प्रबंधन और पहाड़ी सड़क सुरक्षा" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।	परिवहन प्रणाली विकसित करें) की बैठक	
	"यातायात स्थितियों पर सड़क सुधार का प्रभाव" पर प्रस्तुति दी गई	एएस, एमओईएफसीसी द्वारा आयोजित टास्क ग्रुप (परिवहन क्षेत्र से कार्बन उत्सर्जन से बचाव) की बैठक	6 अगस्त, 2022

बैठकों में भाग लिया (सीआरआरआई के बाहर)

स्टाफ का नाम और पदनाम	बैठक का विवरण	दिनांक
डॉ. मुक्ति आडवाणी, प्रधान वैज्ञानिक	इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, दिल्ली में सिनर्जी द्वारा आयोजित "बाल सड़क सुरक्षा" पर राष्ट्रीय स्तर की पैनल चर्चा के लिए को पैनल सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।	15 सितंबर, 2022
	आईआईटी रूड़की में CTRANS के केंद्र अनुसंधान दिवस पर विशिष्ट विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया	03 सितंबर, 2022
	संस्थानों, संगठनों और शासन पर सत्र के लिए सत्र संयोजक के रूप में आमंत्रित किया गया। यह को टीआरआईपी-सी, आईआईटी दिल्ली में आयोजित डीएम मेमोरियल संगोष्ठी का एक हिस्सा था।	07-09 सितंबर, 2022
श्री मनोज शुक्ला, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक	आईआईटी रूड़की में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन टीआईपीसीई 2022 में एक पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की।	14-17 सितंबर, 2022
	सड़क निर्माण में अपशिष्ट प्लास्टिक के	24 जून, 2022

	उपयोग पर विशेषज्ञ सदस्य के रूप में पहचाने गए एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं को खत्म करने के उपाय करने और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय टास्क फोर्स की तीसरी बैठक में भाग लिया।	
डॉ. अंबिका बहल, प्रधान वैज्ञानिक	ग्रामीण सड़कों की पूर्ण गहराई पुनर्चक्रण पर यूपीआरआरडीए द्वारा आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में भाग लिया और आमंत्रित व्याख्यान दिया।	21 जून, 2022
	"सुनम्य कुट्टिमों" के निर्माण में बिटुमेन और संशोधित बिटुमेन का उपयोग" विषय पर एक समिति सदस्य के रूप में मॉर्थ की विभिन्न बैठकों में भाग लिया।	
डॉ. के. रविंदर, मुख्य वैज्ञानिक	एएस, एमओआरटीएच द्वारा आयोजित एमओईएफसीसी के टास्क ग्रुप 2 (एक एकीकृत, कुशल, समावेशी, कम कार्बन परिवहन प्रणाली विकसित करें) की बैठक में सार्वजनिक गतिशीलता के हिस्से में सुधार के लिए बुनियादी ढांचे पर प्रस्तुति दी गई।	जुलाई 06, 2022
	एएस, एमओईएफसीसी द्वारा आयोजित टास्क ग्रुप (परिवहन क्षेत्र से कार्बन उत्सर्जन से बचाव) की बैठक के दौरान यातायात स्थितियों पर सड़क सुधार का प्रभाव	अगस्त 06, 2022

राजभाषा गतिविधियां

नराकास दक्षिण दिल्ली 1 के स्तर पर पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला, दिनांक 14/06/2022

सीएसआईआर-सीआरआरआई में दिनांक 14 जून, 2022 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दक्षिण दिल्ली 1 के स्तर पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिंदी कार्यशाला में केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के अधिकारियों सहित नराकास के सभी कार्यालयों से 208 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में राजभाषा हिंदी, डिजिटल परिवेश में हिंदी के सार्थक फैलाव एवं प्रशासनिक विषयों की हिंदी में अभिव्यक्ति से संबंधित विषय सम्मिलित किए गए। इन विषयों की प्रकृति के अनुसार कार्यशाला में कुल तीन सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला के प्रातः कालीन कार्यक्रम के अंतर्गत दो सत्रों में दो भिन्न विषयों पर व्याख्यान आयोजित किए गए। प्रथम सत्र के अंतर्गत पांडिचेरी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सी. जयशंकर बाबू द्वारा 'डिजिटल परिवेश में हिंदी की अस्मिता और संवैधानिक दायित्व के अनुसार सार्थक फैलाव में हमारी भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया गया। इसके अंतर्गत उन्होंने अनुच्छेद 351 के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।



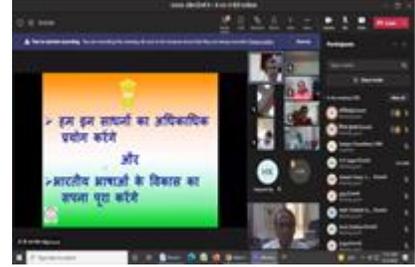
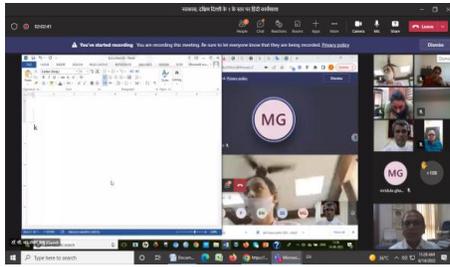
उनके व्याख्यान के मुख्य उपविषय थे - शब्द संसाधन प्रणालियां, सूचना प्रत्ययन प्रणालियां, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वाक् अभिलक्षण, वाक् संश्लेषण। अपने संबोधन में उन्होंने फॉन्ट की समस्याओं, मशीन की सहायता से अनुवाद एवं भाषाई अनुप्रयोगों के लिए उपलब्ध संसाधन आदि पर भी प्रकाश डाला। सत्र के अंत में प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं शंकाओं का भी समाधान किया गया।

दूसरे सत्र में केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान के प्रशासन अधिकारी, श्री विरंची सारंग द्वारा सीसीएस (आचरण) नियमावली, 1964 के नियम 18 के संदर्भ में चल और अचल संपत्ति विवरणी के बारे में सामान्य जानकारी दी गयी। व्याख्यान के आरंभ में सीसीएस (आचरण) नियमावली, 1964 की संक्षिप्त जानकारी दी गई। व्याख्यान में यह भी बताया गया कि संपत्ति के लेन-देन के मामले में एक सरकारी कर्मचारी को कब इस लेन-देन की पहले स्वीकृति लेनी होती है और कब लेन-देन के बाद सूचना देनी होती है। सीसीएस (आचरण) नियमावली के अंतर्गत एक सरकारी कर्मचारी से अपेक्षित आचरण एवं उसके व्यवहार पर भी प्रकाश डाला गया।



अपराह्न में तीसरे सत्र का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत श्री नगेंद्र सिंह, पूर्व निदेशक (तकनीकी), राष्ट्रीय सूचना केंद्र द्वारा 'हिंदी कंप्यूटिंग के विविध आयाम और ई-टूल्स का उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया गया। इसके अंतर्गत उन्होंने दस्तावेज के अंतरण, गूगल लेंस, स्कैनर, ई-महाशब्दकोष, राजभाषा हिंदी के लिए आईटी टूल्स, यूनिकोड एवं अनुवाद सॉफ्टवेयर 'कंठस्थ' संबंधी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कंठस्थ अनुवाद करने में सहायता देने वाला एक सॉफ्टवेयर/टूल है। ट्रांसलेशन मेमोरी (टीएम) या स्मृति पर आधारित कंठस्थ को भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा सीडैक, पुणे के सहयोग से तैयार कराया गया है।

श्री नगेंद्र सिंह ने व्यावहारिक प्रदर्शन के द्वारा दिखाया कि इस सॉफ्टवेयर पर काम करना बहुत सरल है। कोई भी प्रयोक्ता जिसे कंप्यूटर पर किसी भी रूप में टंकण करना आता है इस सॉफ्टवेयर पर बड़ी आसानी से काम कर सकता है। यह सॉफ्टवेयर बिल्कुल निःशुल्क है। व्याख्यान के अंत में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ के समक्ष अपने प्रश्न एवं शंकाएं रखीं जिनका संतोषजनक निवारण किया गया। संस्थान के हिंदी अधिकारी ने कार्यशाला का संचालन किया। हिंदी कार्यशाला में सम्मिलित होने वाले नराकास, दक्षिण दिल्ली 1 के सभी कार्यालयों के प्रति आभार प्रकट करते हुए पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का समापन किया गया।



दिनांक 14.09.2022 से 30.09.2022 तक आयोजित हिंदी पखवाड़ा

हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन

संस्थान में दिनांक 14.09.2022 से 30.09.2022 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत दिनांक 14.09.2022 को हिंदी सूक्ति पोस्टर प्रतियोगिता के लिए 'राजभाषा हिंदी@75' एवं 'भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियां' विषयों पर दो रंगीन पोस्टर प्रविष्टि के रूप में जमा किए गए। दिनांक 15.09.2022 को तकनीकी लेख प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रविष्टि के रूप में तकनीकी लेख की सॉफ्ट प्रति एवं हार्ड प्रति राजभाषा अनुभाग में जमा की गई। संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मिकों ने काफी अधिक संख्या में इन दोनों ही प्रतियोगिताओं में भाग लिया एवं अपनी प्रविष्टियां जमा कराईं।



इसी क्रम में दिनांक 15.09.2022 को हिंदी टिप्पण व मसौदा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया। मूल रूप से यह प्रतियोगिता प्रशासनिक स्टाफ, आशुलिपिकों एवं टाइपिस्टों के लिए आयोजित की गई थी परंतु इसमें तकनीकी प्रभागों से भी काफी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया जो निश्चित रूप से संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। हिंदी प्रतियोगिताओं के प्रति अधिकारियों एवं कार्मिकों के उत्साह को देखते हुए संस्थान में हिंदी प्रश्नोत्तरी की एक प्रतियोगिता का पहले ही आयोजन किया गया।

तकनीकी प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम, दिनांक 16.09.2022

तकनीकी प्रस्तुतीकरण की श्रृंखला में डॉ. कंवर सिंह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, जीटीई प्रभाग, सीआरआरआई द्वारा "अपने शोधकार्य को हिंदी में प्रस्तुत किया गया। डॉ. कंवर सिंह ने 'मौजूदा बुनियादी ढांचे को प्रभावित किए बिना अंडर पास चौराहे के निर्माण की प्रक्रिया-पर्यावरण को बचाने के लिए नया कदम'" विषय पर हिन्दी भाषा में यह प्रस्तुतीकरण दिया। निर्माण की इस प्रक्रिया में पहले से तैयार बक्सों की मदद से अंडर पास चौराहे बनाए जाते हैं। यह प्रक्रिया अत्यंत सुरक्षित है। इसमें संस्थान के वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रशासनिक स्टाफ सदस्यों ने भारी संख्या में भाग लिया।



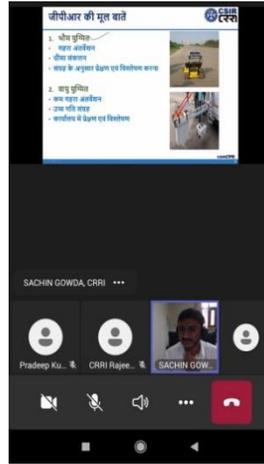
इसके अतिरिक्त संस्थान में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाहर के विभिन्न संगठनों/संस्थानों से भाग लेने के लिए आए इंजीनियर व अधिकारीगण भी इस तकनीकी प्रस्तुतीकरण में उपस्थित रहे। अंत में डॉ. कंवर सिंह ने इस विषय से संबंधित शंकाओं एवं प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने भी अपनी जिज्ञासाएं वक्ता के सामने रखीं। इस कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान के वैज्ञानिक तथा तकनीकी स्टाफ को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी तकनीकी प्रस्तुतीकरण कार्यशाला (दिनांक 21.9.2022) का आयोजन

संस्थान में हिंदी पखवाड़े के दौरान दिनांक 21.9.2022 को हिंदी तकनीकी प्रस्तुतीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रभागों के वैज्ञानिकों ने हिंदी भाषा में अपने पावरपॉइंट की सहायता से अपने अपने तकनीकी प्रस्तुतीकरणों को

प्रस्तुत किया। कार्यशाला का प्रारंभ प्रो. मनोरंजन परिड़ा, निदेशक, सीआरआरआई द्वारा "मूलभूत संरचनाएं एवं सतत विकास लक्ष्य" विषयक प्रस्तुतीकरण से हुआ। निदेशक महोदय द्वारा मूलभूत संरचना के निर्माण के साथ-साथ यूएन के सतत विकास लक्ष्य को ध्यान में रखने पर बल दिया गया।

श्री आशीष वालिया, वैज्ञानिक द्वारा कुट्टिम मूल्यांकन की अत्याधुनिक तकनीकों विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया गया जिसमें उन्होंने कुट्टिम मूल्यांकन के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। डॉ. राजीव, वैज्ञानिक ने "सड़क का सही समय पर सही इलाज" विषयक प्रस्तुतिकरण दिया। इसमें उन्होंने पॉट होल्स, गड्ढों एवं अन्य दरारों को सही समय पर भरने की आवश्यकता के बारे में बताया। श्री सचिन गौड़, वैज्ञानिक ने कुट्टिम मूल्यांकन में ग्राउंड पेनिट्रेंटिंग रडार (जीपीआर) के अनुप्रयोग विषय पर उत्तम प्रस्तुतीकरण दिया। इसमें उन्होंने कुट्टिम मूल्यांकन के लिए भूमि के अंदर की जाने वाली खुदाई के दौरान प्रयोग में आने वाले रडार के अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी दी।



मध्यांतर के पश्चात डॉ. अनिल कुमार, वैज्ञानिक ने "गहरी नींव" नामक विषय पर अपने प्रस्तुतीकरण में भूमि सुधार तकनीक की जानकारी दी। इसके बाद, डॉ. वी.वी.एल. कांता राव, मुख्य वैज्ञानिक द्वारा "एसीएसआईआर छात्रों के साथ कंक्रीट तकनीकों पर अनुसंधान" विषय पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस प्रस्तुतीकरण में उन्होंने एसीएसआईआर छात्रों के साथ अपने अनुभवों को साझा किया। अंत में श्रीमती कामिनी गुप्ता, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा "सड़क सुरक्षा के लिए नेत्र ट्रैकर का उपयोग" विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया गया जो नवीनतम उपकरण नेत्र ट्रैकर से संबंधित था।

तकनीकी कार्यशाला की समाप्ति से पूर्व डॉ. कंवर सिंह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक द्वारा तकनीकी कार्यशाला की कार्रवाई का प्रस्तुतीकरण किया गया जिसमें उन्होंने युवा वैज्ञानिकों द्वारा हिंदी में तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिए जाने की प्रशंसा की एवं कार्यशाला के दौरान दिए गए प्रस्तुतीकरणों के प्रमुख बिंदुओं को रेखांकित किया। अनेक वैज्ञानिकों ने तकनीकी प्रस्तुतीकरणों से उत्साहित होकर भविष्य की तकनीकी कार्यशाला के लिए अपने नाम प्रस्तावित किए। अंत में श्री संजय चौधरी, हिंदी अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

आमंत्रित काव्य पाठ व कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन

संस्थान में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत दिनांक 22.09.2022 को संस्थान के ऑडिटोरियम में आमंत्रित काव्य पाठ व कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कविता वाचन प्रतियोगिता में निर्णायक के तौर पर प्रसिद्ध हास्य कवि एवं

कलाकार श्री दीपक सैनी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ. नीलिमा चक्रवर्ती, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक इस प्रतियोगिता की सह-निर्णायक थीं। संस्थान के विभिन्न प्रभागों एवं अनुभागों से कई प्रतिभागियों ने कविता वाचन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया तथा अपनी स्वरचित कविताएं सुनाईं। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार रखे गए थे। निर्णायकों ने सभी प्रतिभागियों की स्वरचित कविताओं के लिए भूरि भूरि प्रशंसा की।



प्रतियोगिता के पश्चात हास्य कवि श्री दीपक सैनी ने सभा में उपस्थित सभी लोगों का अपनी विलक्षण प्रतिभा के द्वारा मनोरंजन किया। श्री दीपक सैनी ने अपने काव्य पाठ, अद्भुत मिमिक्री एवं माउथ ऑर्गन पर शानदार प्रदर्शन से पूरे कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया। संस्थान के सभी अधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, तकनीकी स्टाफ एवं प्रशासनिक स्टाफ भारी संख्या में उपस्थित रहे।

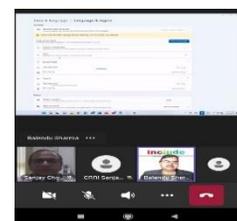
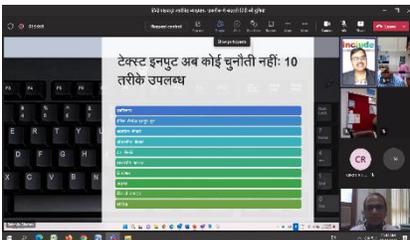
हिंदी संपर्क कार्यशाला का आयोजन

इसके अंतर्गत दिनांक 23.9.2022 को पूरे दिन की हिंदी संपर्क कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में संस्थान के आर एंड डी एवं प्रशासनिक अनुभागों में जाकर स्टाफ द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया, उनकी समस्याओं के बारे में बात की गई एवं उनका यथासंभव समाधान किया गया। संपर्क कार्यशाला को दो चरणों में सम्पन्न किया गया। प्रथम चरण में आर एंड डी प्रभागों यथा जीटीई, अनुरक्षण एवं केआरसी प्रभागों का कार्य देखा गया।

दूसरे चरण में भंडार व क्रय, वित्त व लेखा, स्थापना अनुभाग -1, स्थापना अनुभाग -2 एवं कार्मिक अनुभाग जैसे संस्थान के प्रशासनिक अनुभागों का निरीक्षण किया गया एवं उन्हें राजभाषा में कार्य करने का महत्व भी बताया गया। इस संपर्क कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संस्थान में, विशेषकर प्रशासनिक अनुभागों में राजभाषा क्रियान्वयन की स्थिति का आकलन करना एवं हिंदी में कार्य को प्रोत्साहित करना था। इसके लिए फाइलों पर संपन्न हिंदी कार्य; धारा 3(3) का अनुपालन; कंप्यूटर में हिंदी कार्य की सुविधा व हिंदी कार्य की मात्रा; डाक व प्रेषण सहित सभी रजिस्ट्रों के रखरखाव व हिंदी कार्य की स्थिति; हिंदी में प्रदर्शन सामग्री की स्थिति आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया। संपर्क कार्यशाला के दौरान भारत सरकार के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप हिंदी की उत्तरोत्तर प्रगति हेतु संस्थान के कार्मिकों को प्रोत्साहित करने के लिए यथावश्यक प्रशासनिक शब्दावली का वितरण भी किया गया।

तकनीकी कार्यशाला व प्रशिक्षण का आयोजन, दिनांक 27 सितंबर 2022

संस्थान में 14 सितंबर से 30 सितंबर 2022 के मध्य मनाए गए हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 27 सितंबर 2022 को ऑनलाइन माध्यम से तकनीकी कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



इसमें माइक्रोसॉफ्ट में निदेशक (स्थानीयकरण) के रूप में कार्यरत श्री बालेंदु शर्मा दाधीच को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, टेक्सटिंग, गूगल वॉइस टाइपिंग, इंडिक कीबोर्ड आदि पर बहुमूल्य जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने भाषा इंडिया पेज के बारे में उपस्थित लोगों को अवगत कराया जिससे सभी भारतीय भाषाओं का समृद्ध ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों से हिंदी में उपलब्ध डिजिटल सुविधाओं, सॉफ्टवेयर आदि से संबंधित प्रश्न पूछने का आग्रह किया गया एवं आमंत्रित विशेषज्ञ ने उनकी शंकाओं का समाधान किया। "तकनीक से बदलती हिंदी की दुनिया" विषय पर केंद्रित तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम को अनेक वरिष्ठ वैज्ञानिकों व अन्य प्रतिभागियों ने अत्यंत ज्ञानवर्द्धक एवं निश्चित रूप से सफल बताया। भविष्य में श्री बालेंदु शर्मा दाधीच से संस्थान में आकर ऑफलाइन माध्यम से व्याख्यान देने का अनुरोध किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समीक्षा कार्यक्रम (दिनांक 28.09.2022)



समीक्षा के दौरान अनुभागों में जाकर उनके द्वारा फाइलों पर संपन्न हिंदी कार्य, कंप्यूटर में हिंदी टाइपिंग की स्थिति और हिंदी कार्य की मात्रा, डाक व प्रेषण रजिस्टर के रखरखाव की स्थिति, हिंदी में प्रदर्शन सामग्री और लेखन सामग्री में द्विभाषिकता के पालन की स्थिति आदि का अवलोकन किया गया। हिंदी में मुद्रित सामग्री, नामपट्ट, मुलाकाती कार्ड, प्रकाशन की स्थिति एवं पत्राचार में हिंदी का प्रयोग जैसे बिंदुओं के अनुपालन पर चर्चा की गई और हिंदी कार्य की प्रगति का आकलन किया गया। सभी संबंधितों को यथास्थिति सुझाव दिए गए तथा उनके कार्य की प्रकृति के अनुसार हिंदी में कार्य बढ़ाने की संभावना वाले क्षेत्रों में राजभाषा नियमों के पालन के लिए स्मरण कराया गया।

समापन व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान में मनाए जा रहे हिंदी पखवाड़े के अंतिम दिन हिंदी पखवाड़ा समापन व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित डॉ. अनामिका ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। सर्वप्रथम श्री संजय चौधरी, हिन्दी अधिकारी ने मुख्य अतिथि के साहित्य संसार से सबका परिचय कराया। इसके पश्चात् डॉ. अनामिका ने "अपना हिंदी समाज" विषय पर उद्बोधन दिया। डॉ. अनामिका से उनकी रचना प्रक्रिया पर बातचीत की गई। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों ने उनकी कविताओं एवं लेखन के विषय में अपनी अपनी जिज्ञासाएं भी रखीं। इस क्रम में उन्होंने अपनी कई सुप्रसिद्ध कविताएं सुनाकर कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को साहित्य से जुड़ने का अवसर दिया तथा सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।



हिंदी पंचवाड़ा 2022 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं एवं पुरस्कार योजना के विजेताओं को निदेशक महोदय एवं मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान श्री मनोरंजन परिड़ा, निदेशक महोदय ने सभा को संबोधित किया। मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अंत में श्री विरंची सारंग, प्रशासन अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। मंच के संचालन एवं कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में श्री संजय चौधरी, हिंदी अधिकारी का विशेष योगदान रहा। संस्थान के हिंदी प्रेमी स्टाफ एवं काफी संख्या में अन्य सभी स्टाफ ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाया।



हिंदी कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन के अनुपालन एवं हिंदी में कार्य को बढ़ाने के लिए 16.11.2022 को हिंदी कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला में निदेशक महोदय प्रो. मनोरंजन परिड़ा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में सभी प्रमुख एवं हिंदी के संपर्क अधिकारी भी सम्मिलित हुए। कार्यशाला के दौरान तिमाही प्रगति रिपोर्ट में दिए जाने वाले आंकड़ों, संबंधित नियमों तथा तिमाही प्रगति रिपोर्ट के लिए अपेक्षित रिकॉर्ड के रखरखाव के संबंध में चर्चा की गई। कार्यशाला के अन्य सत्रों में गूगल वॉइस टाइपिंग, हिंदी शब्दावली, संसदीय राजभाषा समिति के आश्वासन, संस्थान में निर्धारित जांचबिंदु आदि से अवगत कराया गया।

संसदीय राजभाषा समिति के आश्वासन पर केंद्रित सत्र में संस्थान में निर्धारित जांचबिंदुओं, हिंदी में कार्य के लिए निर्दिष्ट लक्ष्यों, प्रवीणता प्राप्त कार्मिकों के लिए हिंदी में कार्य की अनिवार्यता एवं रिकॉर्ड का रखरखाव आदि से अवगत कराया गया। परिचर्चा के दौरान एफपीडी, टीपीई आदि प्रभाग के प्रमुखों तथा पीएमई व सीसीएन के अधिकारियों ने अपने विचार रखे। हिंदी में कार्य सुनिश्चित करने के लिए संस्थान में पहले से निर्धारित जांचबिंदुओं का परिचालन करने का अनुरोध किया गया।

परिचर्चा सत्र के दौरान संस्थान की छमाही पत्रिका 'सड़क दर्पण' के लिए प्रत्येक प्रभाग को न्यूनतम दो शोधपत्र भेजने का सुझाव भी प्राप्त हुआ। द्विभाषीकरण की अनिवार्यता को देखते हुए संस्थान में अनुवाद पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव भी मिला। हिंदी कार्य में सहायक शब्दावली के संबंध में प्रतिभागियों ने लिंक बताने का अनुरोध किया। हिंदी अधिकारी ने बताया कि अनेक शब्दावली व शब्दकोश ऑनलाइन व ऑफलाइन उपलब्ध हैं। इनकी जानकारी प्रतिभागियों को दी गई।

हिंदी प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता का आयोजन

राजभाषा कार्यान्वयन को गति प्रदान करने के लिए संस्थान में समय-समय पर हिंदी प्रतियोगिता सहित विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। आजादी के अमृत महोत्सव के परिप्रेक्ष्य में यह आवश्यक समझा गया कि कार्यालयीन विषयों के अलावा हिंदी में विभिन्न विषयों को सम्मिलित करते हुए विविध रुचिकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए दिनांक 23 अगस्त 2022 को हिंदी प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का स्वरूप बहुविकल्पीय रखा गया। इसके अंतर्गत राजभाषा हिंदी, भारतीय संस्कृति, भारतीय इतिहास, सामान्य ज्ञान और हिंदी साहित्य जैसे विषयों पर आधारित प्रश्न पूछे गए। हिंदी प्रश्नोत्तरी (क्विज़) प्रतियोगिता में संस्थान के कुल 36 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता को लेकर संस्थान के अधिकारियों एवं कार्मिकों में उत्साह देखा गया एवं उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार की प्रतियोगिता के आयोजन का सुझाव दिया।

महत्वपूर्ण दिवस समारोह

स्वच्छता पखवाड़ा

भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया स्वच्छता पखवाड़ा एक पखवाड़े तक चलने वाला कार्यक्रम है, जो स्वच्छता गतिविधियों में नागरिकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने और स्वच्छ भारत को वास्तव में एक नागरिक आंदोलन में बदलने के लिए मनाया जाता है। सीएसआईआर-सीआरआरआई ने इस वर्ष 01-15 मई, 2022 के दौरान उत्साह और जोश के साथ स्वच्छ भारत पखवाड़ा मनाया और एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

COVID-19 महामारी के मद्देनजर, इस वर्ष का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2022 को सीएसआईआर-सीआरआरआई में डिजिटल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से मनाया गया।

74वां भारतीय स्वतंत्रता दिवस

सीएसआईआर-सीआरआरआई ने 15 अगस्त, 2022 को 74वां भारतीय स्वतंत्रता दिवस मनाया। इस अवसर पर, सीएसआईआर-सीआरआरआई ने भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया और स्टाफ सदस्यों और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा विभिन्न भक्ति और देशभक्ति गीत गाए गए।



81वाँ सीएसआईआर स्थापना दिवस

सीएसआईआर-सीआरआरआई ने 27 सितंबर, 2022 को 81वाँ सीएसआईआर स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर प्रोफेसर संजय गुप्ता, डीन (अनुसंधान), डीन (संकाय कल्याण), परिवहन योजना के प्रोफेसर, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली, मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर सीएसआईआर स्थापना दिवस व्याख्यान दिया गया। इस उत्सव के हिस्से के रूप में, 18 सितंबर, 2022 को स्कूली बच्चों के लिए पोस्टर मेकिंग, निबंध लेखन, कविता पाठ, विज्ञान प्रश्नोत्तरी और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।



प्राप्त सम्मान एवं पुरस्कार/प्रशंसा

- डॉ. शिक्षा स्वरूपा कर, प्रधान वैज्ञानिक को 8 अप्रैल 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में वैज्ञानिक की श्रेणी के लिए 13वां सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार प्राप्त हुआ।



- डॉ. शिक्षा स्वरूपा कर, प्रधान वैज्ञानिक को 17 जून, 2022 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में सिविल इंजीनियरिंग और निर्माण समीक्षा टीम द्वारा "महिला निर्माण सशक्तिकरण पुरस्कार" प्राप्त हुआ।



@CSIRCRRI entered into India Book of Records & Asia Book of Records for construction technology of #First Steel Slag Road. This work in collab.with @AMNSIndia @SteelMinIndia @NITIAayog to fulfil the vision of Hon.PM of India Sh.@narendramodi ji for wastetowealth



- श्री आर.के. पाणिग्रही, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक को आईआईएफएस, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत उत्कृष्टता प्रमाण पत्र "राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार"-2022 प्राप्त हुआ।

सूचना का अधिकार (आरटीआई)

सीएसआईआर-सीआरआरआई को 01 अप्रैल, 2022 से 30 सितंबर, 2022 की अवधि के दौरान 86 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए और सभी का समय पर उत्तर दिया गया।

समझौता ज्ञापन/समझौते/बौद्धिक संपदा

A. एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए

1. सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एसवीएनआईटी) के साथ शैक्षणिक और तकनीकी सहयोग पर 05 अप्रैल, 2022 को हस्ताक्षर किए गए।
2. "एनएचआईडीसीएल द्वारा शुरू किए जा रहे राजमार्ग कार्यों में नई सामग्रियों और नई प्रौद्योगिकियों/सहकारी अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देने" के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के साथ तकनीकी सहयोग पर 30 जून, 2022 को हस्ताक्षर किए गए।
3. "भारतीय सड़क निर्माण उद्योग के लिए डीकार्बोनाइजेशन, अपशिष्ट/सर्कुलरिटी के समाधान विकसित करने और लागू करने के लिए दोनों पक्षों की कॉर्पोरेट आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पारस्परिक हित के अवसरों का पता लगाने के लिए संबंध" के लिए शेल इंडिया मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड (SHELL) के साथ तकनीकी सहयोग पर अगस्त 03, 2022 में हस्ताक्षर किए गए।
4. "सहकारी अनुसंधान को बढ़ावा देने और विचारों के आदान-प्रदान, नए ज्ञान के विकास और उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान कौशल को बढ़ाने के लिए" के लिए अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT-H) के साथ तकनीकी सहयोग पर 16 अगस्त, 2022 को हस्ताक्षर किए गए।
5. 27 सितंबर, 2022 को "सहकारी अनुसंधान को बढ़ावा देने और विचारों के आदान-प्रदान, नए ज्ञान के विकास और उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान कौशल को बढ़ाने के लिए" के लिए महाराष्ट्र ग्रामीण सड़क विकास संघ (एमआरआरडीए) के साथ तकनीकी सहयोग पर हस्ताक्षर किए गए।

बी. हस्ताक्षरित समझौते

1. 02 जून, 2022 को सीआरआरआई और भारतीय इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईईएसटी) के बीच "ट्रिप जेनरेशन मैनुअल के विकास पर एनसीपी-केंद्रित बुनियादी अनुसंधान (एफबीआर)" एक अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
2. सुनम्य और दृढ़ कुट्टिमों में निर्माण सामग्री के रूप में इंपीरियल स्मेल्टिंग फर्नेस स्लैग (आईएसएफएस) की उपयुक्तता के डिजाइन और मूल्यांकन के लिए 09 जून, 2022 को सीआरआरआई और जेएसएस एकेडमी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एक अकादमिक संस्थान (जेएसएसएटीई) के बीच एक अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
3. 13 जून, 2022 को सीआरआरआई और सोमानी इकोबिल्ड प्रोडक्ट्स एलएलपी के बीच एक अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, अनुसंधान अध्ययन "बेस कोर्स के स्थिरीकरण के लिए समग्र सीमेंटेशन सामग्री का विकास" के लिए गैर प्रकटीकरण समझौता (एनडीए)।

सी. हस्तांतरित प्रौद्योगिकी

1. 05 अगस्त, 2022 को "पैचफिल: द पाँटहोल रिपेयर मशीन टेक्नोलॉजी" शीर्षक से सीआरआरआई और एवराक्ट इनोवेशन, नई दिल्ली (3 साल के लिए विशेष लाइसेंस) के बीच प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

डी. पेटेंट दाखिल किया गया

1. 05 अगस्त, 2022 को "स्टील फाइबर प्रबलित ग्राउट कॉलम का उपयोग करके मौजूदा संरचनाओं की असर क्षमता बढ़ाने की विधि" (आवेदन संख्या 202211045099)।

ई. प्रदान किए गए पेटेंट

1. पेटेंट शीर्षक "एक पैचफिल मरम्मत मशीन" (पेटेंट संख्या 400494) - भारत को 30 जून, 2022 को प्रदान किया गया।

संस्थान में आगंतुक

आगंतुक (नाम और संबद्धता)	प्रयोजन	तिथियाँ
माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार, श्री नितिन गडकरी; माननीय केंद्रीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान, डॉ. जितेंद्र सिंह और माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री, जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त)	सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित गड्डों की मरम्मत के लिए पैच फिल मशीन और मोबाइल कोल्ड मिक्सर सह पेवर मशीन का उद्घाटन	09 मई, 2022
श्री महेंद्र कुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव (प्रशासन), सीएसआईआर, नई दिल्ली	70वें सीएसआईआर-सीआरआरआई स्थापना दिवस समारोह पर व्याख्यान देने के लिए।	15 जुलाई, 2022
डॉ. एन.सी. पाल, प्रमुख अभियंता (डिज़ाइन), लोक निर्माण विभाग, ओडिशा सरकार	डॉ. पी. रायचौधरी मेमोरियल व्याख्यान शृंखला का 5वां व्याख्यान देने के लिए	24 अगस्त, 2022
प्रो. संजय गुप्ता, डीन (अनुसंधान), डीन (संकाय कल्याण), परिवहन योजना के प्रोफेसर, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली	81वें सीएसआईआर स्थापना दिवस समारोह पर व्याख्यान देने के लिए	27 सितंबर, 2022
श्री महेंद्र कुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव (प्रशासन), सीएसआईआर, नई दिल्ली	सीआरआरआई की चल रही गतिविधियों के बारे में जानने के लिए	15 जुलाई, 2022

संस्थान में आने वाले कुछ आगंतुकों की झलकियाँ

• माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी; माननीय केंद्रीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान और माननीय केंद्रीय आरटीएच और नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री ने 09 मई, 2022 को

सीएसआईआर-सीआरआरआई का दौरा किया और गड्डों की मरम्मत के लिए सीएसआईआर-सीआरआरआई द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित पैच फिल और मोबाइल कोल्ड मिक्सर सह पेवर मशीन का उद्घाटन किया।





- श्री महेंद्र कुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव (प्रशासन), सीएसआईआर ने 15 जुलाई, 2022 को सीआरआरआई की चल रही गतिविधियों के बारे में जानने के लिए सीएसआईआर-सीआरआरआई का दौरा किया।



शोध प्रबंध/शोध निबंध पर्यवेक्षण

सं	छात्र का नाम	संस्था	परियोजना/शोध प्रबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक
1.	श्री अभिषेक तिवारी	फैकल्टी ऑफ टेक्नॉलजी एण्ड इंजीनियरिंग द महाराज सयाजी राव यूनिवर्सिटी बड़ौदा	अ स्टडी ऑन हाई मॉड्यूलस एसफाल्ट फॉर मिटिगेशन ऑफ रिफ्लेक्टिव क्रैकइंग इन फ्लेक्सबल पेवमेंट ओवर्ले	डॉ. सरफराज अहमद
2.	श्री अमिया कुमार ठाकुर	थापर इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलजी	स्टडी ऑफ रोलर कॉम्पकटेड कान्क्रीट यूजींग स्टील स्लैग कोर्स ऐग्रगैट	श्री दिनेश गणवीर
3.	श्री अंकित कुमार सिंह	नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी तिरुचिरापल्ली	डेवलपमेंट ऑफ फाइनाइट एलेमेन्ट रीस्पान्स मोडेल ऑफ जीओसेल रेनफोरसेड पेवमेंट	श्री सतीश कुमार पाण्डेय
4.	श्री अंकित कुमार यादव	नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी कुरुक्षेत्र	स्ट्रैन्ज एण्ड ड्यूरबिलिटी अससेसमेंट ऑफ इक्स्पैन्सिव साइल स्टबिलिजिड विद रोडजयम एण्ड फलयश	डॉ. अनिल कुमार
5.	श्री अनुराग मिश्रा	फैकल्टी ऑफ टेक्नॉलजी एण्ड इंजीनियरिंग द महाराज सयाजीराव यूनिवर्सिटी बड़ौदा	इफेक्ट ऑफ ऐजिंग ऑन क्रैकइंग रीज़िस्टन्स ऑफ रीसाइकल एसफाल्ट मिक्सचर	डॉ. अंबिका बहल
6.	सुश्री अनुषा तोशिखानी	आरएएसटीए सेंटर फॉर रोड टेक्नॉलजी बैंगलोर	करेक्टराईजेशन ऑफ आरएपी यूजींग सिम्पल इन्डिकटिव लैब्रटोरी टेस्ट	डॉ. दीपा एस
7.	सुश्री अर्पिता राजपूत	श्री गोविंदराम सेकसरिया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी एण्ड साइंस इंदौर मध्य प्रदेश	परफॉरमेंस कैरिक्टराईजेशन ऑफ वॉर्म मिक्स एसफाल्ट कॉन्टैनिंग हाई आरएपी विद रएजुरिनटोर	डॉ. राजीव कुमार डॉ. अंबिका बहल
8.	श्री अतुल कुमार	नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी कुरुक्षेत्र	रीस्पान्स ऑफ परी एण्ड पोस्ट	डॉ. कंवर सिंह

9.	श्री भावेश जयकुमार भंभानी	सरदार वल्लभभाई नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सूरत	रीसाइकलअबिलिटी ऑफ प्लास्टिक रोड्स	डॉ. अम्बिका बहल
10.	श्री भव्य सुदेशकुमार जायसवाल	पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी रायसन, गांधी नगर	मेकनिस्टिक कैरिक्टराईजेशन ऑफ स्टबिलिजेट एमएसब्ल्यू मटीरीअल यूजींग ग्लास फ्राइबर इन रोड कन्स्ट्रक्शन	डॉ. अनिल कुमार
11.	श्री ब्रजराज कुमार	नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी कुरुक्षेत्र	सिमेन्ट स्टबिलिजेट जिंक टाइलिंग वैस्ट मटीरीअल एस सब बेस कोर्स इन रोड कन्स्ट्रक्शन	डॉ. अनिल कुमार सिन्हा
12.	श्री बुटानी रवि किशोरभाई	बिडला विश्वकर्मा महाविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज एण्ड ऑटानमस इन्स्टिच्युशन	स्टडी ऑफ प्रीवीअस कान्क्रीट यूजींग वेरीअस सप्लमेन्ट्री सिमेन्टयस मटेरियल्स	डॉ. यतिन चौधरी
13.	सुश्री चिंथु जी एस	आरएसटीए सेंटर फॉर रोड टेक्नॉलजी बैंगलोर	डिजाइन ऑफ सिमेन्ट गरौटेड बिटूमीनस मिक्स (सीजीबीएम) यूजींग रीक्लेमड एंस्फाल्ट पेवमेंट (आरएपी)	श्री मनोज कुमार शुक्ला, डॉ. जी भरत
14.	श्री देव सिंह ठाकुर	नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी कुरुक्षेत्र	ईवैल्यूएशन ऑफ इम्पैक्ट आर्टिफिशल इन्टेलिजन्स ऑन ड्राइवर बेहविऑउर एण्ड रोड सैफ्टी - ए केस स्टडी	डॉ. एस. वेलुमुरुगन
15.	देवेश हरीशकुमार कोरी	फैकल्टी ऑफ टेक्नॉलजी एण्ड इंजीनियरिंग द महाराज सयाजी राव यूनिवर्सिटी, बडौदा	स्टडी द ईफेक्टिवनेस ऑफ ट्रैफिक कंट्रोल डिवाइसेस एण्ड मैनेजमेंट ऑफ रोड सैफ्टी	डॉ. ए मोहन राव
16.	श्री धीरज किंकर	नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी कुरुक्षेत्र	डेवलपमेंट ऑफ सीआर फॉलोइनिंग मोडेल एण्ड लेन चैन्जिंग मोडेल फॉर माइक्रोस्कोप सिम्यलैशन अन्डर मिक्स ट्रैफिक कंडीशन	डॉ. एरामपल्ली मधु
17.	सुश्री दिव्या एच आर	आरएसटीए सेंटर फॉर रोड टेक्नॉलजी बैंगलोर	स्टडी ऑफ सिमेन्ट एंस्फाल्ट मिक्स विद रीस्पेक्ट टू डम्पिंग पोटेनसियाल	डॉ. गगनदीप
18.	सुश्री हरदी शैलेशभाई	पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी रायसन,	ईवैल्यूएशन पफ रिजुवनेशन ऑफ रेकलैमड एंस्फाल्ट पेवमेंट (आरएपी) बिन्डर युसिंग ऑर्गेनिक	डॉ. शिक्षा स्वरूपा कर

	भारदिया	गांधी नगर	एण्ड पट्रोलिअम बेस्ड ऑइल	
19.	श्री हर्षवर्धन सिंह	पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी रायसन, गांधी नगर	इफेक्ट ऑफ केमिकल ऐडिटिव इन स्टबिलिजेड पेवमेंट	डॉ. अंबिका बहल
20.	मो. इमरान अलताफ वासिल	थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नॉलजी	स्टडी ऑफ रोलेर कॉम्पकटेड कान्क्रीट पेवमेंट कोन्टाइनिंग रेकलैमेड ऍसफाल्ट पवेमन्ट यस कोर्स ऐग्रगैट	श्री दिनेश गणवीर
21.	सुश्री जाह्नवी ए परमार	पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी रायसन, गांधी नगर	एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टिगेशन ऑन फ्लाई यश स्टेबलजैशन ऑफ हाईली सेलाइन उंसचूरटेड इक्सपैन्सिव सुबगरेड	डॉ. पी.एस. प्रसाद
22.	श्री के सूर्या किरण	आरएएसटीए सेंटर फॉर रोड टेक्नॉलजी बेंगलोर	लाइफ साइकिल कोस्ट अनैलिसिस ऑफ फ्लेक्सबल पेवमेंट	डॉ. विधि व्यास
23.	सुश्री कनिका जोशी	नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी तिरुचिरापल्ली	स्टटिस्टिकल अनैलिसिस ऑफ परफॉरमेंस चरकतेरसटिक्स फ्रॉम वरेईऑउस एक्सपेरिमेंटल डट विद बेवमेटर	डॉ. पीएस प्रसाद
24.	श्री कंथारिया कश्यप	पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, रायसन, गांधीनगर	स्टडी ऑन कॉंप्रिहेंसिव स्ट्रेंथ ऑफ प्रीवीअस कॉनक्रीट युजिंग डिफरेंट एग्रीगेट साइज़	श्री यतिन चौधरी
25.	श्री मेहरोत्रा मयंक श्याम	फैकल्टी ऑफ टेक्नॉलजी एण्ड इंजीनियरिंग द महाराज सयाजी राव यूनिवर्सिटी बदोडा	रियोलॉजिकल बिहेवियर ऑफ बिन्डर इंडूसेड विद वॉर्म मिक्स ऍसफाल्ट एण्ड रेकलैमेड ऍसफाल्ट पेवमेंट	डॉ. अभिषेक मित्तल
26.	श्री मिनचला दिवाकर	IIT खडगपुर	डेवलपमेंट ऑफ पर्मानेंट डएफोरमटीऑन पेरफोमनसे जियोसिंथेटिक रीइन्फोर्स पेवमेंट लयर्स यूजीनग मार्जनल मटेरियल्स	डॉ. जी भरत
27.	सुश्री मुस्कान संजय वर्मा	बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी एण्ड साइंस पिलानी	फीजेबिलिटी स्टडी ऑन यूज ऑफ हाई आरएपी कॉन्टेनट्स इन ऍसफाल्ट मिक्स	डॉ. अंबिका बहल
28.	सुश्री पल्लवी साईश्री के	आरएएसटीए सेंटर फॉर रोड टेक्नॉलजी बेंगलोर	अससेस्मेंट ऑफ रीडक्शन इन वॉल्यूम एक्सपनसीऑन ऑफ स्टील स्लैग आफ्टर सर्फिस माडफिकेशन फॉर रोड	श्री सतीश पांडे

			ऐप्लिकेशन	
29.	सुश्री पारस अश्विनभाई मरकना	पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी गांधी नगर	इम्पैक्ट ऑफ वैस्ट इंजन ऑइल वाटम रेज़िडू ऑन एसफाल्ट बिन्डर प्रॉपर्टीस एण्ड मिक्स परफॉर्मेंस	डॉ. जी भरत डॉ. अक्षय गौड़ा
30.	श्री पीयूष प्रसाद	थापर इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नॉलजी	एस्टमैशन ऑफ मांडुलेस ऑफ रेसीलेंस ऑफ हॉट मिक्स एसफाल्ट उटीलिटीसिंग द वॉलमेट्रिक प्रॉपर्टीस ऑफ बिटूमीनिऑउस मिक्सएस	डॉ. अंबिका बहल
31.	सुश्री प्रकाश आर	आरएसटीए सेंटर फॉर रोड टेक्नॉलजी बैंगलोर	कम्पैरिटिव स्टडी ऑन बैक कैल्क्युलैटिड एण्ड अक्रचुयल रेसिलेंट मांडुलेस ऑफ एसफाल्ट पेवमेंट लयर्स यूजींग सॉफ्ट कम्प्यूटिंग टेक्नीकस्	डॉ. सचिन गौड़ा एम.के
32.	एमएस प्रियदर्शन सिंह	महाराजा सयाजी राव यूनिवर्सिटी बडौदा	इम्पैक्ट ऑफ कॉगनीटीव डिस्ट्रैक्शन ऑन ड्राइवर एट टोल प्लाज़ा	डॉ. ए मोहन राव
33.	श्री रामराज जी बघेल	सम्राट अशोक टेक्नॉलॉजिकल इंस्टीट्यूट विदिशा मध्य प्रदेश	एस्टमैशन ऑफ नम्बर ऑफ ट्रिप जनरेशन ऑफ फ्रेट ट्रांसपोर्टेशन ऑपरेटिंग इन अर्बन सीटी	डॉ. कायथा रविंदर डॉ. च. रवि सेखर
34.	श्री रोहित रघुवंशी	सम्राट अशोक टेक्नॉलॉजिकल इंस्टीट्यूट विदिशा मध्य प्रदेश	सस्टैनबिलिटी इंटीग्रेशन इंडेक्स ऑफ द मेट्रो एण्ड बस ट्रांसपोर्टेशन थ्रू कम्प्यूटर पर्सपेक्शन	डॉ. एरामपल्ली मधु डॉ. मीनल
35.	सुश्री समीक्षा पंथी	श्री गोविंदराम सेकसरिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी एण्ड साइंस इंदौर मध्य प्रदेश	एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टिगेशन एण्ड परफॉर्मेंस मांडलिंग ऑफ सिमेन्ट ट्रीटिड बेस विद रेकलैमेड एसफाल्ट पेवमेंट युसिंग आर्टिफिशल नूट्रल नेटवर्क (एएनएन)	डॉ. अभिषेक मित्तल
36.	श्री सौरभ सिंह यादव	नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी कुरुक्षेत्र	डेवलपमेंट ऑफ प्राइऑरटी इंडेक्स बेस्ड ऑन फंक्शनल एण्ड स्ट्रक्चरल कन्डिशन ऑफ फ्लेक्सबल पेवमेंट नेटवर्क	डॉ. आकाश गुप्ता

37.	श्री सौरभ संगप्पा ब्याकोड	आरएएसटीए सेंटर फॉर रोड टेक्नॉलजी बैंगलोर	डेटर्मिनसन ऑफ लैअर मॉड्युली ऑफ फ्लेक्सबल पेवमेंट थ्रू डिफ्लेक्शन बॉउल परामेटर्स	डॉ. आशीष वालिया श्री अभिषेक मित्तल
38.	सुश्री उदिता गुप्ता	गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी नोएडा	डिस्पर्शन मॉडलिंग ऑफ रोड ट्रैफिक पोलुटनट्स टू एक्सेस द कान्सन्ट्रैशन ऑफ पोलुटनट्स इन विसिनिटी ऑफ स्कूल्स ए केस स्टडी ऑफ सरिता विहार एरिया	डॉ. एस पद्मा डॉ. रीना सिंह
39.	मि. उल्लम चंदू यादव	नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी तेलंगाना	कैरिक्टराईजेशन एण्ड मॉडलिंग ऑफ प्लास्टिक बेस्ड स्ट्रक्चरल कॉम्पोनेन्ट्स फॉर रोड कन्स्ट्रक्शन	श्री गगनदीप सिंह
40.	श्री उत्कर्ष सिंह	थापर यूनिवर्सिटी पटियाला	यूटलजैशन ऑफ फेरोक्रोम स्लैग इन बिटुमेन बेस स्टैबलजैशन	डॉ. शिक्षा स्वरूपा कर
41.	श्री वैशाख के	आरएएसटीए सेंटर फॉर रोड टेक्नॉलजी बैंगलोर	परफॉरमेंस ईवैल्यूएशन ऑफ बिटूमीनिऑउस मिक्सएस वी पार्टियाली रेपलकिनग फाइन अग्रेगेट्स विद बाटम ऐश	श्री सचिन गौडा एम.के
42.	श्री वेदांत राहुल पुरोहित	पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गांधीनगर	सुनम्य कुट्टिम के लिए सीमेंटेड स्टेबलाइज्ड बेस लेयर के प्रदर्शन का मूल्यांकन	श्री मनोज शुक्ला

एम. टेक. ग्रीष्मकालीन इंटरनशिप छात्र (अप्रैल 2022- सितंबर 2022) (कुल = 25 छात्र)				
क्र.सं.	छात्रों के नाम	कॉलेज/विश्वविद्यालय	परियोजना/थीसिस का शीर्षक	पर्यवेक्षक
1.	श्री अभिषेक कुमार	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कर्नाटक, सुरथकल	दिल्ली मेट्रो पर इंटेलिजेंट परिवहन प्रणाली के संबंध में ग्राहक संतुष्टि सूचकांक पर आधारित प्रदर्शन उपाय	डॉ. एस पद्मा
2.	श्री अजय मसिलामणि	मद्रास विश्वविद्यालय	मेघालय की एकीकृत परिवहन नेटवर्क विकास योजना	डॉ. रवीन्द्र कुमार
3.	श्री आकाश	एनआईटी कर्नाटक	टोल प्लाजा पर ड्राइवर का व्यवहार	डॉ. ए मोहन राव
4.	श्री अरिर्त्र रॉय	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कर्नाटक, सुरथकल	रीइन्फोर्स अर्थ रिटेनिंग स्ट्रक्चर के लिए गुणवत्ता आश्वासन पर एक समीक्षा	सुश्री पार्वती जी एस
5.	श्री आशुतोष अंकित	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कर्नाटक, सुरथकल	शहरी सड़क पर प्रदर्शन सूचकांक का विकास	डॉ. ए मोहन राव
6.	सुश्री आस्था शर्मा	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कर्नाटक, सुरथकल	मृदा नेलिंग का उपयोग करके ढलानों का स्थिरीकरण	डॉ. पी एस प्रसाद
7.	श्री देवदथ बी	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु	माइक्रोस्कोपिक ट्रैफिक सिमुलेशन का उपयोग करके बस ब्रेकडाउन की स्थिति में ट्रैफिक पैरामीटर्स की मॉडलिंग	डॉ. एरामपल्ली मधु
8.	जी साई श्रीकर रेड्डी	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, त्रिची	मिक्स डिजाइन ऑफ आरएपी	डॉ. जी. भरत
9.	सुश्री मोहिनी पटेल	पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, रायसन, गांधीनगर	कुट्टिम निर्माण के लिए औद्योगिक अपशिष्ट सामग्री के साथ स्थिर मिट्टी के शक्ति व्यवहार पर एक प्रायोगिक अध्ययन	डॉ. पी एस प्रसाद
10.	सुश्री ममता माकोडे	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कर्नाटक, सुरथकल	टोल रोड दुर्घटनाओं का विश्लेषण और संबंधित उपचारात्मक उपाय	डॉ. ए. मोहन राव
11.	श्री मनप्रीत सिंह	बिडला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी, राजस्थान	बाइंडर के रियोलॉजिकल गुणों पर वार्म मिक्स एडिटिव्स का प्रभाव	डॉ. अभिषेक मित्तल
12.	श्री पारस अश्विनभाई मार्काना	पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात	बिटुमिनस पाठ्यक्रम के लिए लचीले मापांक मॉडल का विकास	डॉ. अक्षय गुंडला
13.	श्री पारुल रवीन्द्र अवस्थी	स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली	प्रोजेक्ट iRASTE के तहत इनर रिंग रोड नागपुर के लिए सड़क सुरक्षा सूचकांक	डॉ. ए मोहन राव
14.	श्री पूरनचंद्रराव पेदादा	विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी	एमएस प्रोजेक्ट 2016	श्री पी वी प्रदीप कुमार

सीएसआईआर-सीआरआरआई समाचार पत्रिका अप्रैल 2022-सितंबर 2022, अंक 65

		संस्थान, नागपुर	सॉफ्टवेयर के माध्यम से एकल और एकाधिक परियोजनाओं के लिए रिपोर्ट जनरेशन	
15.	श्री प्रिंस ठाकोर	दीन दयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गांधी नगर, गुजरात	चयनित ब्लैकस्पॉट के लिए ज्यामितीय डिजाइन योजना का विकास	डॉ. ए मोहन राव
16.	श्री राजदीप कर चौधरी	स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली	आरक्यूआई के निर्माण में उपयोग किए गए सभी मापदंडों का वर्गीकरण	डॉ. ए मोहन राव
17.	श्री राघव चावला	मणिपाल स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, एमएचई, मणिपाल, उडुपी, कर्नाटक	ट्रांजिट डिजाइन मीट अर्बन डिजाइन-आईआरएएसटीई	डॉ. एस वेलुमुरुगन
18.	सुश्री रिग्जेन एंग्मो	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कर्नाटक, सुरथकल	शहरी सड़क पर ड्राइवर की थकान की पहचान	डॉ. ए मोहन राव
19.	श्री रोहित निराला	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कर्नाटक, सुरथकल	GEO5 सॉफ्टवेयर का उपयोग करके ढलानों का स्थिरता विश्लेषण	डॉ. कंवर सिंह
20.	सुश्री शैलजिया	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र	क्रम्ब रबर की अलग-अलग खुराक पर सीआरएमबी का रियोलॉजिकल मूल्यांकन	डॉ. अंबिका बहल
21.	श्री सिद्धार्थ शंकर आर	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु	सार्वजनिक परिवहन एकीकरण सूचकांक उपकरण का विकास	डॉ. एरामपल्ली मधु
22.	सुश्री सोनेजी हीर व्योमेशकुमार	बिडला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बीआईटीएस), पिलानी	कंपोजिट बाइंडर के एजिंग प्रतिरोध पर एक अध्ययन	डॉ. सरफराज अहमद
23.	श्री सुंदर गुप्ता	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कर्नाटक, सुरथकल	प्रोजेक्ट iRASTE के तहत नागपुर में चयनित ब्लैकस्पॉट के लिए ज्यामितीय डिजाइन योजना का विकास	डॉ. एस वेलुमुरुगन
24.	श्री वेदांत राहुल पुरोहित	पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय	सुनम्य कुट्टिम के लिए उच्च शक्ति स्थिर आधार परत का प्रयोगशाला मूल्यांकन	श्री मनोज शुक्ला
25.	श्री वाघेला मिलिंद	पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी	ड्राइवर गेज़ ट्रैकिंग और आई ट्रैकर का उपयोग करने वाले ड्राइवरों के खतरे की प्रत्याशा व्यवहार का मूल्यांकन	डॉ. ए एम राव

बीटेक इंटरशिप छात्र (अप्रैल 2022-सितंबर 2022) (कुल = 14 छात्र)				
क्र.सं.	छात्रों का नाम	कॉलेज/विश्वविद्यालय	परियोजना/थीसिस का शीर्षक	पर्यवेक्षक
1.	सुश्री अमुदापुरम नेहा	गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा	स्टोर इन्वेंटरी प्रबंधन	श्री मुजाहिद हुसैन श्री मारियप्पन
2.	श्री दीपक कुमार	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, छत्तीसगढ़	GEO5 सॉफ्टवेयर का उपयोग करके ढलानों का स्थिरता विश्लेषण	डॉ. पुलिकांती सुब्रमण्य प्रसाद
3.	सुश्री दीप्ति दीक्षित	माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर	परिमित तत्व विधि द्वारा गड्डों की मरम्मत का प्रदर्शन	डॉ. शिक्षा स्वरूपा कर
4.	सुश्री दिव्यांशी जैन	माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर	कंक्रीट में जिक स्लैग के साथ प्राकृतिक बारीक समुच्चय को बदलने के प्रभाव की समीक्षा	श्री यतिन चौधरी
5.	सुश्री हिना परवीन	चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली, पंजाब	जियो-5 सॉफ्टवेयर का उपयोग कर तटबंधों का स्थिरता विश्लेषण	डॉ. अनिल कुमार
6.	सुश्री कृतिका लोधी	माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, ग्वालियर, मध्य प्रदेश	सड़क अनुप्रयोग के लिए रेडी टू यूज़ पोथोल मिक्स का मूल्यांकन	श्री सतीश पांडे
7.	श्री मोहित सिंह	माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश	सीमेंट के प्रकारों पर एक प्रत्यक्ष अध्ययन	डॉ. राकेश कुमार
8.	सुश्री मुस्कान श्रीवास्तव	बीआईटी वेल्लोर, तमिलनाडु	यातायात नियंत्रण उपकरणों की रेट्रो-रिफ्लेक्टिविटी का अध्ययन	डॉ. ए मोहन राव
9.	श्री राज प्रताप सिंह किरार	माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश	ड्राई लीन कंक्रीट का मिक्स डिज़ाइन	श्री दिनेश गणवीर
10.	सुश्री रेवती पाटिल	मेडी-कैम्प विश्वविद्यालय, पिगडंबर, राऊ, इंदौर, मध्य प्रदेश	क्यूरिंग कंपाउंड्स के यांत्रिक और स्थायित्व गुणों का अध्ययन - एक समीक्षा	श्री दिनेश गणवीर
11.	श्री सागर सरोहा	जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	संरचनात्मक स्वास्थ्य निगरानी उपकरण	डॉ. राजीव गोयल
12.	सुश्री स्मृति दोहरे	माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान,	प्रॉक्टर कॉम्पैक्शन विधि और वाइब्रेटरी	श्री रोमिल सागवाल

		ग्वालियर, मध्य प्रदेश	हैमर कॉम्पैक्शन विधि का उपयोग करके ड्राई लीन कंक्रीट में ड्राई डेंसिटी और इष्टतम नमी सामग्री पर तुलनात्मक अध्ययन	
13.	श्री वेदांत कश्यप	बीआईटी वेल्लोर, तमिलनाडु	क्रेश डेटा विश्लेषण, सड़क दुर्घटनाओं के साथ ज्यामितीय कमियों को सह-संबंधित करने के लिए	डॉ. जे. नटराजू
14.	श्री हर्षित सैनी	गंगा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, झज्जर, हरियाणा	चालक के गेज व्यवहार पर सड़क संरक्षण का प्रभाव	डॉ. ए मोहन राव

स्टाफ समाचार (सेवानिवृत्ति, वीआरएस एवं स्थानांतरण)

सेवानिवृत्ति एवं स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस)

इस अवधि के दौरान निम्नलिखित स्टाफ सदस्य संस्थान की सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं। सीएसआईआर-सीआरआरआई वेलफेयर समिति ने उन सभी को भव्य विदाई देने के लिए समारोह आयोजित किए।



डॉ. (सुश्री) लक्ष्मी परमेश्वरन, मुख्य वैज्ञानिक, 30-04-2022



श्री अशोक पंत, वरिष्ठ तकनीशियन (2), 30-04-2022



श्री मोहन लाल, लैब अटेंडेंट, 30-06-2022

श्री सुनील दत्त, वरिष्ठ तकनीशियन (1), 30-06-2022



डॉ. देवेश तिवारी, मुख्य वैज्ञानिक, 31-07-2022



श्री यू के गुरु विट्टल, मुख्य वैज्ञानिक, 31-08-2022



श्री राजिंदर सिंह, वाशबॉय, 30-09-2022



श्री योगेन्द्र महतो, कार्य सहायक, 15-09-2022 (वीआरएस)



श्रीमती संगीता बनर्जी, वरिष्ठ प्रशासन नियंत्रक, 30-09-2022

सीएसआईआर-सीआरआरआई से स्थानांतरण

- श्री अनिल कुमार, अनुभाग अधिकारी, 29-07-2022

सीएसआईआर-सीआरआरआई से त्यागपत्र

- श्री राजीव पांडे, अनुभाग अधिकारी, 31-08-2022

समाचारों में सीएसआईआर-सीआरआरआई

Team @CSIRCRRRI visited Project Arunank BRO Arunachal Pradesh to facilitate const. of steel slag road for sustainable green durable infrastructure. Thanks to Arunank @BROIndia team for all necessary support. @DrJitendraSingh @Ranjana_23 @SteelMinIndia @CSIR_IN @steel_indian



8/status/156574981932635410/photo/1

Hon. Minister of Steel, Shri @JM_Scindia ji appreciated @CSIRCRRRI #Steel Slag Road technology during his inaugural address in Conf. on Indian Mineral and Metals Industry on 23rd Aug. 2022. A proud moment for @CSIR_IND @DrJitendraSingh @Ranjana_23 @steel_indian @AMNSIndia



1,121 views

0:03 / 0:41

RCP Singh 3,692 Tweets

Follow

RCP Singh @RCP_Singh · Jun 15
Inaugurated India's first steel slag road in Surat, inspired by the waste-to-wealth vision of Hon'ble Prime Minister Shri @narendramodi ji. This is 6 lane 1 km road built with technique developed by CSIR CRRI.

This is a step towards green and sustainable infrastructure.



National Rural Infrastructure Development... @PMGSY_N... · May 25
Dr. Ambika Behl, Principal Scientist, #CRRI delivering technical lecture on Application of "Cold Recycling for Rural Roads" at International Conference on New Technologies & Innovations in Rural Roads. #PMGSY @MoRD_Gol @girirajsinghbjp @SadhviNiranjan @fskulaste @Nagendra_NSinha



AajTak @aajtak · Sep 5
सायरस मिस्ट्री की रोड हादसे में कैसे गई जान? रोड डिजाइनिंग से लेकर कार की स्पीड और सीटबेल्ट की थ्योरी पर सेंटर फॉर रोड रिसर्च इंस्टिट्यूट के सीनियर साइंटिस्ट डॉ एस वेलमुरुगन से कुमार कुणाल की खास बातचीत

#ReporterDiary #RoadSafety #CyrusMistry (@KumarKunalmedia)



मुख्य संपादक :

प्रो. (डॉ.) मनोरंजन परिड़ा , निदेशक, सीएसआईआर-सीआरआरआई, नई दिल्ली

संपादकीय समिति :

डॉ. रवींद्र कुमार, प्रमुख वैज्ञानिक एवं प्रमुख, आईएलटी

डॉ. हुइड़ोम लोकेश्वर सिंह, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (2), आईएलटी

हिंदी अनुवाद :

श्री संजय चौधरी, हिंदी अधिकारी, राजभाषा अनुभाग

श्री शाशांक भटनागर, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, राजभाषा अनुभाग

प्रकाशक : प्रो. (डॉ.) मनोरंजन परिड़ा , निदेशक, सीएसआईआर-सीआरआरआई, नई दिल्ली -110025